अरचंत गोधनीय- कंवल आतरिक एवं सीमित प्रयोग हेत्

सीनियर सैकंडरी स्कूल परीक्षा

मार्च - 2015

अंक – योजना – व्याययायिक अध्ययन (दिल्ली) कोड संख्या 66/1/1, 66/1/2, 66/1/3

सामान्य निर्देश:

- 1. यह अंक योजना उत्तर के मूल्यांकन के लिए केवल मूल्यांकन बिन्दुओं को सुझा रही है। यह केवल निर्देश मात्र हैं सम्पूर्ण उत्तर नहीं। यदि किसी परीक्षार्थी ने अंक योजना से मिन्न कोई अर्थगर्मित उत्तर दिया है तो उस पर विवेकानुसार अंक दिए जाए।
- मूल्यांकन अंकयोजना में दिए गए निर्देशों के आधार पर होना चाहिए।
- यदि प्रश्न के कर्व माग है तो प्रत्येक भाग पर वाहिनी ओर अंक वें। फिर उस प्रश्म के सभी भागों के अंक जोड़कर उसे बाई ओर लिखें।
- यदि प्रश्न का छोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाई ओर अंक वें।
- 5. यदि किसी परीक्षार्थी ने एक ही प्रश्न का दो बार कर दिया है तो केवल पहले उत्तर पर अंक दें। बाद वाले उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रयास' लिखें।
- 6. विकल्प के चयन संबंधी प्रश्नों में यह संभव है कि परीक्षार्थी बीनों विकल्पों का उत्तर लिख वे, ऐसी स्थिति में केंवल पहले किए गए प्रश्न के लिए हैं अंक वें।
- 7 यदि किसी प्रश्न मे दो लक्षण या विशेषताएं पूछी गई हैं और परीक्षार्थी दो से अधिक लक्षण/विशेषताएं लिख देता है. जैसे मान लीजिए पांच, जिनमें से पहला सही है जबकी दूसरा गलत तो केवल पहले दो बिन्दुओं का ही मूल्यांकन किया जाए, श्रांकि तीन का नहीं।
- 8. सभी परीक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने से पूर्व स्वय को अंक योजना के निर्देशों से पूर्णतः अवगत कर लेगें।
- 9. सभी परीक्षक समुचित समय सामान्यतः 5 से 6 घंटों तक मूल्यांकन केन्द्र पर रूक कर प्रतिदिन 20 से 25 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच करेंगे तथा प्रत्येक उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन पर 15 से 20 मिनट का समय लगाएगें।

- प्रत्येक परीक्षक स्वयं को प्रश्न पत्र के सभी सेटों की उत्तर योजना से अवगत कराएंगे।
- आप से यह अपेक्षा की जाती है कि आप दस अंक योजना का पालन कर उच्च गुणवत्ता वाला वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करेंगे। उदाहरणत: किसी परीक्षार्थी के अंक 30 है तो आप उसे पास करने के लिए 30 से 33 नहीं करेंगे।
- 12. अंकों का निर्धारण प्रश्न विशेष के कुल अंकों पर करें न कि प्रश्नपत्र के कुल अंकों के आधार पर। उदाहरणतया यदि 3 अंकों के किसी प्रश्न विशेष का उत्तर ठीक न होने पर यदि उसमें 1 अंक दिया जाता है तो ध्यान रहें कि गलत उत्तर पर भी उस परीक्षार्थी को उस प्रश्न विशेष के उत्तर का 33 मिल गया। इस प्रकार अंकों के व्यर्थ विवरण से बचना चाहिए।
- 13. प्रत्येक परीक्षक को जलरपुस्तिका में यह प्रमाणित काना होगा कि एसने इसे अंकथोजना के मूल्यांकन बिन्दुओं का कड़ाई से पालन करते हुए प्रश्न पत्र के सही सेट के अनुसार ही जाँचा है।
- 14. माननीय भारतीय उच्चतम् न्यायालय के निर्णय को मानते हुए बोर्ड ने यह निर्णय शिया है कि जो उम्मीदवार आवश्यक फीस की अपनी उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी लेना चाहेगा उसे वर्ष 2012 सं फोटोकॉपी की हुई उत्तरपुस्ति का उपलब्ध करवाई जाएगी। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हैं कि गूल्यांकन को सही ठहरा सकें।
- 15. यदि मूल्यांकन के समय आप एक उत्तर को बिल्कुल गलत पाते है तो उस पर (×) का निशान बनाकर (0) अंक अवश्य दें।
- 16. यहाँ 1–100 तक का पूरा अंक मापन प्रयोग में लाया गया है। कृपया सही उत्तर के लिए पूरे अंक देने से हिचकिचाए नहीं, यदि उत्तर विशेष पूरे अंकों के लायक है तो उसे पूरे अंक दें।

| प्रश्न | अपेक्षित उत्तर | मूल्यांकन |
|--------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| संख्या | अंक - योजना मार्च 2014-2015 | विन्यू |
| 66/1/1 | अंक योजना (दिल्ली) 66/1/1 | 14.4 |
| 997.07 | विषयः व्यावसायिक अध्ययन | |
| 1. | प्रबन्ध में 'कुरालता' से वया अभिप्राय है ? | 1 3705 |
| उत्तर | कुशलता का अर्थ है कार्य को सही ढंग से न्यूनतम लागत पर करना। | 10000000 |
| 2, | प्रबन्ध किस प्रकार व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयक है? उल्लेख कीजिए। | 1 अंक |
| उत्तर | अभिप्रेरणा तथा नेतृत्व के द्वारा प्रबंध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है | Dr.saves. |
| | जिससे व्यक्तियों/सदस्यों के व्यक्तिगत उद्देश्यों की संतुष्टि की जा रुके तथा प्रबंध को लिए व्य | |
| | क्तगत उद्देश्यों का संगठनात्मक उद्देश्यों के साथ मिलान करना होता है। | |
| | (अन्य कोई चित्रत परिभाषा) | |
| 1, | 'नियोजन आधार'को परिभाषित कीजिए। | 1 अंक |
| त्तर | 'नियोजन आधार' भविष्य के विषय में बनाई गई अवधारणाएँ हैं जिनके आधार पर | 1 3440 |
| | योजनाएं बनाई जाती है। | |
| - | एलान्स लिमिटेड प्लारिटक की बाल्टियाँ बनाने के कार्य में संलग्न है। कम्पनी का उद्देश्य प्रति | 1 siar |
| | दिन 100 बाल्टियों का निर्माण करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के | 1 0140 |
| | लिए सभी विभागों के प्रयास समन्वित तथा अन्तर्सम्बन्धित है और विभिन्न कार्य- | |
| | पर्वों में अधिकार-उत्तरदायित्व का सम्बन्ध स्थापित कर दिया है। यह स्पष्ट है कि कीन किस | |
| | को रिपॉट करेगा। | |
| | उपर्युक्त वर्णित प्रबन्ध के कार्य का नाम बताइए। | |
| ार । | संगठन । | |
| 0. | | |
| | | |
| | 'ऋण की लागत' किस प्रकार एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रगावित कस्ती है? समझाइए। | |

| उत्तर | 'ऋण की लागत' एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रभावित करती हैं क्योंकि एक कम्पनी द्वारा नीची ब्याज की दर पर ऋण लेना उसकी ऊँवी दर से ऋण विनियोज न क्षमता को प्रदर्शित करता है। | |
|--------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------|
| 6 जतार | 'इंडियन लोजिस्टिक्स' के पूरे देश में मुख्य स्थानों पर अपने मंडारगृहों की सुविधाएँ व्यावसायिक कर्म को अपने उपस्थयों को कम करने, प्रमावपूर्णता को बढ़ाने तथा वितरण समय को कम करने में सहायता करती है। अपने उत्तर के समर्थन में कारण देते हुए उत्लेख कीजिए कि 'इंडियन लोजिस्टिक्स' की कार्यशील पूँजी की आवश्यकताएँ अधिक होंगी या कम। कम कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होगी क्योंकि यह एक सेवा उद्योग है जिन्हें प्राय: माल का स्टॉक रखने की आवश्यकता नहीं होती है। | 1/2 अंक पहचान के ि लए + 1/2 अंक कारण देने के लिए 1/2 + 1/2 |
| 7 | 'ब्यूटी प्रोडक्ट्स लिमिटेड' एक प्राकृतिक एवं नैतिक ब्रान्ड नाम है जो पुरूषों एवं स्त्रियों के ि लए जैविक सीन्दर्य प्रसाधन पेश करने के लिए प्रसिद्ध है। कम्पनी अपने जत्पादों के लिए पीधों पर आधारित सामग्री का जपयोग कस्ती है और देश में नम्बर। सीन्दर्य प्रसाधन ब्रान्ड है। यह न कंवल अपने जपमोक्ताओं को सन्तुष्ट कस्ती है अपितु इस ग्र ह की समस्त सुरक्षा में भी विश्वास रखती है 'ब्यूटी प्रोडक्ट्स लिमिटेड' द्वाच अपनाई जाने वाली विपणन प्रवन्ध अवधारणा को पहचानिए। सामाजिक विपणन अवधारणा। | = १ अंक |
| 9 | सोनिका के जन्मदिन पर उसकी माँ ने उसे सोने की कान की बालियों की एक जोड़ी दी एक महीने बाद सोनिका ने देखा की कान की बालियों की चमक खो रही हैं। उसने कान की बालियों पर लगे चिन्ह की जाँच की और पाया कि उचित हॉलमार्क नहीं है और दुकानदार ने उसकी माँ के साथ धोखा किया है। अत: उसने जिला फोरम में एक शिकायत दर्ज़ की जिसे जिला फोरम द्वारा रह कर दिया गया। जिला फोरम के के निर्णय से वह असंतुष्ट थी तथा बहुत अधिक | 1 अंक |

| | वितरण माध्यमों के चयन को 'उल्पाद सम्बन्धित कारक' किस प्रकार प्रभावित | शीर्षक के ि |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| | 6. इससे सभी <u>कार्यो पर पूर्णतः ध्यान</u> दिया जाता है। | |
| | होता है। | |
| | यह कर्मचारियों के प्रशिक्षण को आसान बनाता है क्योंकि काम का दायरा छोटा ही | 1 |
| | पुनरावृति को कम करता है जिसके परिणामस्वरूप लागत कम होती है। | |
| | यह प्रबंधकीय तथा संचालन सबन्धी कौशल में बढ़ोतरी करता है। | |
| | कार्यं बार-बार किया जाता है। | |
| | विभाग के अंतर्गत सामंजस्य तथा नियंत्रण उन्नतशील होते है क्योंकि एक ही | |
| | विशिष्ट कार्य पर ही बल दिया जाता है। | = 3 अंक |
| | कार्यात्मक ढांचा व्यवसायिक विशिष्टीकरण को और प्रेरित करता है क्योंकि | 1+2 |
| | लाम- (कोई दो) | 1×2=2 |
| | करना। | । अंक |
| | कार्यों का विभाजन उत्पादन, क्रय, विपणन, लेखा तथा कार्मिकों के रूप में | लिए |
| डलर | कार्यात्मक ढांचे की संरचना समान प्रकृति के सभी कार्यों को विभागों में वर्गीकृत करके तथा | उल्लेख के |
| | कार्यात्मक ढांचा (अर्थ) | + प्रत्येक |
| | उल्लेख कीजिए। | लिए 1 अंच |
| 9 | एक संगठन के 'कार्यात्मक ढाँचे' का क्या अर्थ है? इसके किन्हीं दो लाभों का | अर्थ के |
| | पारित करने के पश्चात् तीस दिन के मीतर अपील कर सकता है। | |
| 0014 | नहीं सोनिका अपील नहीं कर सकती क्योंकि पीड़ित पक्षकार जिला फोरम के आदेश | |
| उत्तर | उत्तर के सर्मथन में कारण वीजिए। | |
| | क्या सोनिका जिला फोरम के निर्णय के विरुद्ध अपील कर सकता है? अपने | |
| | परेशान थी और दो महीनों के बाद निर्णय लिया कि वह आगे अपील करेगी। | |

| | वित्तीय बाज़ार एक अर्थव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके सीमित साध | शीर्षक के ि |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| | ा रावस्य बनने का अवसर मिलता है। तथा अधिकारियों/नेताओं द्वारा इससे अच्छे निर्ण य लिये जाते है। | |
| | स्थार होता है तथा उनका मनोबल भी बद्धता है। इस प्रकार की शैली से पारस्परिक फायदे है- इसके अधीनस्थों। कर्मचारियोंको टीम क | =३ अंक |
| | करता है। इससे कर्मवारियों में उनकी नौकरी तथा संगठन के प्रति दृष्टिकोण में सकारा | =1+2 |
| | एक लोकतंत्रीय नेता समूह द्वारा लिए गए निर्णयों का अधीनरथों सम्मान | 2 अंक |
| त्तर | लोकतंत्रीय नेतृत्व शैली। | =1×2 |
| | कीजिए। | लिए । अंक |
| | प्रमोद द्वारा अपनाई गई नेतृत्व शेली की पहचान कीजिए तथा इसका वर्णन | विवरण के |
| | देता था और समूह की स्वीकृति से नीतियों को कार्यान्वित कस्ता था। | विन्दु के |
| | न आए। वह एक अच्छा नेता था जो अपने अधीनस्थों से विचार-विर्मश करने के बाद आदेश | + प्रत्येक |
| | उत्पादन कार्य निर्विष्न रूप से चलता रहे और उसमें किसी प्रकार की कोई बाधा | लए । अंक |
| | विचंदल आदे का उत्पादन हो रहा था। उसका कार्य यह आश्यस्त करना था कि | पहचान के। |
| 11 | प्रमोद 'अन्नपूर्णा आटा' फॅक्ट्री में एक पर्यवेक्षक था। फॅक्ट्री में प्रतिदिन 200 | |
| | दिया हो तो उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने उपरोग्त शीर्षक लिखे बिना भी उचित वियरण | =3 अंक |
| | 4. उत्पाद की जटिलता। | =1×3 |
| | 3. वस्तु की कीमत। | अंक |
| | 2 शीध नष्ट होने वाली वस्तुएं। | लिए 1/2 |
| | 1. उत्पाद की प्रकृति। | विवरण के |
| | (कोई तीन)- | + प्रत्येक |
| उत्तर | 'उत्पाद सम्बन्धित कारक' वितरण माध्यमों के चयन को प्रशावित करते है | लए 1/2 अ |

| | नों के नियतन में एक महत्वपूर्ण मूमिका निभाता है।' ऐसे किन्हीं तीन कार्यों को समझाइये। | लए 1/2 अंद |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | 'वित्तीय बाज़ार एक अर्थव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके | + |
| उत्तर | सीमित साधनों के नियतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे कार्यों का वर्णन | प्रत्येक |
| | इस प्रकार है-(कोई तीन) | विवरण के |
| | बचतों को गतिशील बनाना तथा छन्हें अधिकाधिक उत्पादक उपयोग में | लिए 1/2 |
| | सरणित करना। | अंक |
| | मूल्य खोज को सुसाध्य/सुगम बनाना। | =1×3 |
| | वितिय परिसंपतियों हेतु द्रवता उपलब्ध कराना। | =3 अंक |
| | • लेन देन की लागत को घटाना। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने उपरोक्त शीर्षक लिखे बिना भी उचित वियरण | |
| | दिया हो तो जसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| 13 | नीरज,'ओमिडा लिमिटेड'में एक विक्रय प्रतिनिधि है। उसने पिछले एक वर्ष में | बाधा की |
| | सात नौकरियाँ बदली है। वह एक बहुत ही मेहनती व्यक्ति है लेकिन अपनी | पहचान का |
| | अपर्याप्त शब्दावली और आवश्यक शब्दों का सही प्रयोग न करने के कारण वह ग्राहकों के स | |
| | ाथ सीदों को अन्तिम रूप देने में असर्गथ रहता है। कभी-कभी वह | बाधा की |
| | गलत शब्दायली का प्रयोग भी करता है जिसके कारण यह वो अर्थ सम्प्रेषित नहीं कर पाता | श्रेणी का |
| | जो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। | नाग बताने |
| | (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को पहचानिए। | का 1/2 |
| | (ब) इस सम्प्रेषण बाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। | अंक + |
| | (स) इसी श्रेणी की एक और सम्प्रेषण बाधा को समझाइए। | बाधा की |
| | (क) संदेश की अनुपयुक्त अभिव्यक्ति। | श्रेणी का |
| त्तर | (ভা) संकेतिक/संकेतीय बाधाएँ– संकेतीय बाधाएँ उन समस्याओं तथा बाधाओं सं | उल्लेख |
| | संबंधित है जो संदेश की एनकोडिंग तथा ढिकोडिंग करने की प्रक्रिया में उन्हें शब्दों | करने का |
| | अथवा संकेतों में परिवर्तित करते समय आती हैं। | 1/2 अंक |

| | (ग) इस श्रेणी की अन्य संद्रेषण बाधाएँ- (कोई एक) | + अन्य |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|
| | विभिन्न अर्थो सहित संकेतक। | बाधा का |
| | त्रुटिपूर्ण क्त्यांतर/अनुवाद | नाम बताने |
| | • अस्पष्ट संकल्पनाएँ। | का 1/2 |
| | तकनीकी विशिष्ट शब्दावली। | अंक + |
| | शारीरिक भाषा तथा शव-भाव की अभिव्यक्ति की डिकोडिंग। | इसका |
| | | विवरण का |
| | | 2 अंक |
| | | 1+1+1 |
| | | =३ अंक |
| | | |
| | | |
| 14 | 'ब्यावसायिक पर्यावरण' से क्या अभिप्राय है? इसके महत्य के किन्हीं तीन | अर्थ के |
| | बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। | लिए 1 अंक |
| उत्तर | व्यावसायिक पर्यावरण-(अर्थ) | + प्रत्येक उ |
| | व्यावसायिक पर्यावरण से अभिप्राय सभी व्यक्ति, संस्थान एवं अन्य शक्तियों की | ल्लेख के |
| | समग्रता से है जो व्यावसायिक जद्यम से बाहर लेकिन इसके परिचालन को प्रभावित करने की क्ष | निए। अंक |
| | मता रखते है। | 1×3 |
| | व्यावसायिक पर्यावरण का महत्व- (कोई तीन) | =3 3 jq |
| | यह संभावनाओं/अवसरों की पहचान करने एवं पहल करने में सहायक है। | 1+4 |
| | बजाय कि उन्हें प्रतियोगियों के हाथों खोने दिया जाए। | =4 अंक |
| | यह खतरे की पहचान करने में सहायक है जो कि एक पूर्व चेतावनी है। | |
| | यह उपयोगी संसाधनों को जुटाने में सहायक है जिससे यह उन संसाधनों को पर्यावरण | |
| | की चाहत के अनुसार निर्गत में परिवर्तित कर सके। | |
| - 1 | यह गतिशील व्यावसायिक पर्यावरण तीव्रता से हो रहे परिवर्तनों का सामना करने में सह | |

| | व्यावसायिक पर्यावरण की समझ नियोजन तथा नीति निधांरण में सहायक है पर्यावरण पर निरंतर निगरानी रखने तथा उपयुक्त व्यावसायिक कियाएँ करने से निष्पादन में सुधार होता है। (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------|
| 15 | उपमोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत दिए गए उपभोक्ता के निम्न अधिकारों को समझाइए: | 2 अंक |
| उत्तर | (क) सूचना का अधिकार; तथा (व) सतिपूर्ति का अधिकार। (अ) सूचना का अधिकार - उपभोक्ता को उस वस्तु के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जिसका वह क्रय करना चाहता है जिसमें उसके घटक, निर्माण तिथि मूल्य, मात्रा, उपयोग के लिए दिशा निर्देश आदि सम्मिलित है। इसी कारण भारत में कानूनन निर्माताओं को सभी सूचनाएँ उत्पाद के पैकेज एवं लेवल पर देनी होती है। (व) <u>क्षातिपूर्ति का अधिकार</u> - यदि वस्तु अथवा सेवा अपेक्षा के अनुरूप नहीं निकलती तो उपभोक्ता को उससे शतिपूर्ति पाने का अधिकार है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता को कई प्रकार से क्षतिपूर्ति का प्रावधान है जैसे वस्तु को बदल देना उत्पाद के दोषों को दूर करना, हानि अथवा श्रांति पहुँचने पर उसकी पूर्ति करना आदि। | + 2 अंक =4 अंक |
| 6 | समीर गुष्ता ने 15 कर्मचारियों के साथ मारतीय ग्रामीण बाज़ार के लिए सस्ते मोबाइल फोन का उत्पादन करने के लिए 'डोनिया लिमिटेड' नाम से एक दूरसंचार कम्पनी ग्रारंभ की। अपने ग्रारम्भिक वर्षों में कम्पनी ने बहुत अच्छा कार्य किया। चूँकि उत्पाद अच्छा था और उसका विपणन भी ठीक प्रकार से हो रहा था, इसलिए इ सके उत्पादों की माँग बढ़ गई। उत्पादन को बढ़ाने के लिए कम्पनी को अतिरिक्त कर्मचारियों | पहचान के ि लए 1 अंक + शीर्थक के लिए 1/2 |

| 7 | 'व्याम लिमिटेड' के कर्मचारी बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए आयात की गईनई तथा हा | 1 3fas + |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | | |
| | | |
| | सही विएं है तो उसे उचित अंक बिए जाए) | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने आवधारणा को सही नही पहचाना लेकिन महत्व के बिन्दु | |
| | जाए।) | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्भृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा | |
| | • श्रेष्ट नियंत्रण। | |
| | विकास को सरल बनाता है। | |
| | • शीर्ष प्रबंध को राहत। | |
| | • शीघ निर्णय। | |
| | भविष्य के लिए प्रबंधकीय प्रतिभा का विकास। | |
| | अधीनस्थों में पहल भावना का विकास। | |
| | (ख) विकेन्द्रीकरण का महत्व- (कोई तीन) | |
| उत्तर | (क) विकेन्द्रीकरण। | 1.50.50015 |
| | (य) इस अवधारणा के महत्व के किन्हीं तीन बिन्दुओं को भी समझाइए। | 4 अंक |
| | पनी को अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम हो गवा। | =4 अंक |
| | (अ) उस अवधारणा को पहचानिए, जिसका प्रयोग करके समीर गुप्ता अपनी | =1+3 |
| | उत्पाद- श्रृंखला में भी विस्तार कर लिया। | 3 अंक |
| | केवल अपना उत्पादन बढ़ाने में कामयाव रही अपितु इसने अपनी | =1×3 |
| | ढंग से लागू करने का उत्तरदायित्व उठा सकते हैं। इसके अच्छे परिणाम मिले और कम्पनी न | 1/2 अंक |
| | सक्षम, समर्थ एवं साधनसम्पन्न है और अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण | के लिए |
| | विश्वास था कि अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए अधीनस्थ पूर्ण रूप से | के विवरण |
| | स्वयं ले रहा था, को कुछ चुनिन्दा अधिकारों का अंतरण करना पड़ा। उसे यह | प्रत्येक |
| | की भर्ती करनी पड़ी। समीर गुप्ता, जो पहले सारे निर्णय | अंक + |

| | ई-तकनीक मशीनों पर काम करने के योग्य नहीं है। इसलिए | 1 × 3 |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------|
| | कर्मचारी पर्यवेक्षक से अतिरिक्त मार्गवर्शन की माँग कर रहे हैं। और कर्मचारियों के बार-बार | =3 अंक |
| | बुलाने के कारण पर्यवेक्षक पर बहुत अधिक भार है। | 1+3 अंक |
| | सुझाव दीजिए कि पर्यवेक्षक किस प्रकार कर्मचारियों के कीशल व ज्ञान को बदाकर उन्हें स्व | Umasassassassassassassassassassassassassa |
| | तन्त्र रूप से कार्य संभालने के योग्य बना सकता है। | =4 अंक |
| | उन तीन लामों का भी उल्लेख कीजिए जो कर्मचारियों को पर्यवेक्षक के इस | |
| | निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं। | |
| उत्तर | कर्मचारियों का प्रशिक्षण/ प्रकोष्ठ प्रशिक्षण/ ऑन द जॉब विधि। | |
| | वह लाम जो कर्मचारियों को पर्यवेक्षक के इस निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं-(कोई तीन) | |
| | प्रशिक्षण के कारण कौशल तथा ज्ञान में सुधार व्यक्ति की जीवन वृक्ति को | |
| | भी बेहतर बनाता है। | |
| | कार्य का बेहतर निष्पादन व्यक्ति के अधिक कमाने में सहायक है। | |
| | प्रशिक्षण द्वारा दुर्घटनाओं से बचाव होता है क्योंकि कर्मचारी करालतापूर्वक | |
| | मशीनों को संभाल पाते है। | |
| | प्रशिक्षण कर्मचारियों के संलोष तथा मनोबल को बढ़ाता है। | |
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| 3 | 'आपका विद्यालय' पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम-सहगामी व क्रीड़ा सम्बन्धी क्रियाओं के मिश्रण द्वारा विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास में विश्वास रखता है तथा टीम | |
| | भावना को बढ़ावा देता है। अपने स्थापना दिवस पर विद्यालय को एक स्टेज | |
| | कार्यक्रम प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम सम्बन्धी विभिन्न पक्षों की योजना बनाने के | |
| | लिए उन्होंने दस प्रधान बच्चों की एक कमेटी बनाई। उन्होंने यह निर्णय लिया कि सजावट के | |
| | लिए वे पुन:चक्रिक कागज का प्रयोग करेंगे। उनमें एकता एवं | |
| | समन्वय की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। | |

पारस्पारिक विश्वास एवं अपनेपन की भावना के कारण कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। कार्तिक ने, जो प्रधान बच्चों में से एक था, यह अनुभव किया कि अनजाने में कार्य के नियोजन एवं कार्यान्वयन में उनके वल ने प्रबन्ध के विभिन्न सिद्धान्तों में से एक का प्रयोग किया है। वह कार्यक्रम की सफलता से इतना अधिक प्रेरित हुआ कि उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त कों अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। उसके पिताजी ने बताया कि वह पहले से ही उस सिद्धान्त का उपयोग कर रहे हैं। (अ) कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयोग किए गए प्रवन्ध के सिद्धान्त को पहचानिए। (ब) प्रवन्ध की उन दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन पर उपरोक्त अनुच्छेद में प्रकाश डाला गया है। 'आपका विद्यालय' द्वारा समाज को सम्प्रेषित किए गए किन्हीं वो मूल्यों की सिद्धान्त की पहचान कीजिए। पहचान के (क) प्रबन्ध का सिद्धान्त – सहयोग की भावना उत्तर लिए। अंक (ख) प्रबन्ध की विशेषताएँ-(कोई दो) 1. प्रबन्ध सर्वच्यापी है। प्रत्येक उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त को अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। विश्रापेता के क्योंकि यह किसी भी संगठन (चाहे आर्थिक हो या सामाजिक या फिर राजनैतिक) के प्रकार/स्तर उल्लेख के लिए उपयुक्त है। के लिए प्रबन्ध एक सामृहिक क्रिया है 1/2 उनमें एकता एवं समन्वय की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। 1/2×2 । अंक क्योंकि इसमें एक टीम के रूप में कार्य करना होता है एवं व्यक्तिग प्रयत्नों में समान दिशा में स मन्वय की आवश्यकता होती है। प्रत्येक मूय प्रबन्ध एक उव्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है के लिए

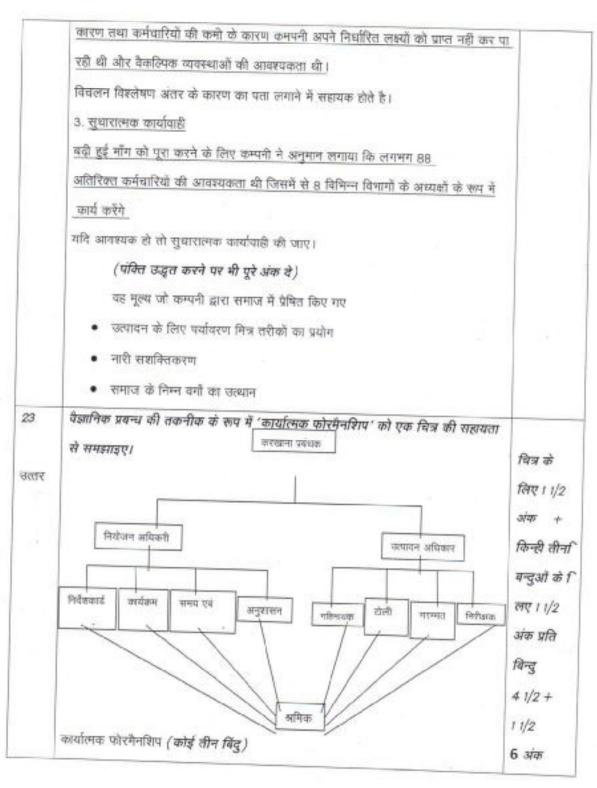
| कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। | ा अंक |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| क्योंकि यह संगठन के विभिन्न लोगों के प्रयत्नों की उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु एक सूत्र में बाधैता है | =1×2 |
| J. | 2 अंक |
| 4. प्रयन्ध बहुआयामी है | =1+1+2 |
| कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। | =4 अंक |
| अथवा | |
| उनमें एकता एवं समन्यय की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। | |
| क्योंकि इसके अंतर्गत कार्य का प्रबन्ध सम्मिलित है। | |
| प्रबन्ध एक अनूर्त शक्ति है | |
| पारस्पारिक विश्वास एवं अपनेपन की भावना | |
| जो दिखाई नहीं पदती लेकिन संगठन के कार्यों के रूप में जिसकी उपस्थिति की अनुभव किया | |
| जा सकता है। | |
| (यदि किसी परीक्षार्थी ने विशेषताओं को ठीक से पहचान कर उनका विवरण दिया है लेकिन अनुच्छेद से पंक्तियों को उद्धत नहीं किया है तो भी उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| (ग) समाज को संप्रेषित किए गए मूल्य-(कोई दो) | |
| • पर्यावरण के प्रति सजगता। | |
| बच्चों का संपूर्ण विकास। | |
| दीम के क्लप में कार्य। | |
| (अन्य कोई उचित मूल्य) | |
| 'गनेश स्टील लिमिटेड', एक विशाल एवं उद्यार–पात्रता वाली कम्पनी है जो | प्रलेख के |
| भारतीय बाजार के लिए रटील का उत्पादन करती है। यह उस स्थित के | नाम के |
| की आपूर्ति करना चाहती है और नई उच्च नकरीय उन्हें | लिए । अंक |

| | यह एक सर्वव्यापी कार्य है क्योंकि इसक आवश्यकता सभी प्रकार के संगठन में प्रबंध के प्रत्येक स्तर पर होती है। | |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| | यह प्रबंध का प्राथमिक कार्य है क्योंकि यह अन्य कार्यों को आधार प्रदान करता है। | |
| डत्तर | नियोजन की विशेषताएँ (काई पाँच) • यह लक्ष्यों की प्राप्ति पर बल देता है। | 1×5 =5अक |
| 20 | जाता है। 'नियोजन' की किन्ही पाँच विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। | |
| | (स) इसका उपयोग मौसमी व कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं के लिए भी किया | |
| | (ब) इसकी परिपक्तता अवधि 15 दिन से एक वर्ष है। | |
| | यह एक अल्पकालिक, अनारक्षित, परकाम्य तथा स्थिर अवधि का वचन पत्र है। | |
| | हिने के लिए जारी किया जाने वाला पत्र है। | 40147 |
| | यह विशाल उधारपात्रता वाली कम्पनियाँ द्वारा अल्पकालिक बाज़ार दर से कम दर पर निधि उग | 4अंक |
| उत्तर | (क) वाणिज्यिक (तिजारती) पत्र | 1+1+1+1 |
| | (स) इस प्रलेख का और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है? | अंक |
| | सकती है? | लिए । |
| | (ब) इस प्रलेख के नाध्यम से कम्पनी कितनी अवधि के लिए वित्त प्राप्त कर | बताने के |
| | उसका नाम बताते हुए उसे सगझाइए। | उद्देश्य |
| | (अ) उपर्युक्त उद्देश्य के लिए कम्पनी मुदा-बाज़ार के जिस प्रलेख का प्रयोग कर सकती है, | + काइ अन्य |
| | प्रलेखों को उपयोग में लाने का निर्णय लिया। | लिए 1 अं + कोई |
| | (फ्लोटेशन कॉस्ट) के खर्चों को पूरा करने के लिए कम्पनी ने मुद्रा-बाज़ार के | अवधि यो |
| | बहुत अधिक निर्ममन लागत (फ्लोटेशन कॉस्ट) निहित है। निर्ममन लागत | अंक + |
| | कम्पनी को दीर्घकालिक वित्त की आवश्यकता है। कम्पनी ने निर्णय लिया कि वह समता अंश जारी करके वित्त एकत्रित करेगी। समता अंशों को जारी करने में | 100 |
| | र कर रही है। निवेश की अधिक मात्रा होने के कारण | + विवर |

| | यह अविरत है क्योंकि एक योजना के बनने व क्रियान्वन के बाद अगला नियोजन आरंभ हो जाता है। यह भविष्यवादी है क्योंकि भविष्य की तैयारी के लिए पूर्वानुमानों का सहारा लिया जाता है। इसमें निर्णय रचना निर्टित है क्योंकि उपलब्ध विकल्पों में से उत्तम विकल्प का ही चुनाव किया जाता है। यह एक मानसिक अभ्यास है क्योंकि यह करने की अपेक्षा मानसिक चिंतन के अधिक रिनकट है। | |
|----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | मानक उपलब्ध करा यह नियंत्रण के लिए आधार प्रदान करता है। | |
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो केवल 1/2 अंक दिया जाए) | |
| | | - |
| 21 | पिछले दस वर्षों से स्मिता 'जोनसन एन्टरप्राइसेज़' में एक सहायक प्रबन्धक के पद पर का | कार्य की |
| | र्य कर रही थी। वह कार्य के प्रति अपने वचनबद्धता एवं समर्पण के | पहचान के ि |
| | कारण अपने साथियों के बीच बहुत प्रसिद्ध थी। जब उससे वरिष्ठ प्रबन्धक | लए । अंक |
| | सेवानिवृत्त हुआ तो उसके सभी साथियों ने यह सोचा कि स्मिता की अब पदोन्नति हो जाएगी | + |
| | । जब इस खाली पद को एक बाहरी व्यक्ति 'श्रीमती रीटा' द्वारा भर | तत्व की |
| | दिया गया तो सभी को आश्चर्य हुआ। इसके कारण स्मिता का उत्साह भंग हो | पहचान के ि |
| | गया और उसका निष्पादन गिरना शुरू हो गया। उसने अपने आपको अवसर | लए १ अंक |
| | अनुपरिधत करना शुरू का विया और अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी। | + |
| | श्रीमति रीटा, एक अच्छी नेता थी जो अपने अधीनस्थों को कंपल आदेश देती | प्रत्येक |
| | थी, अपितु जन्हें मार्गदर्शित एवं अभिप्रेरित भी करती थी। उसने स्मिता के व्यवहार की ओर ध | विशेषता के |
| | यान दिया और महसूस किया कि उसकें निष्पादन में सुधार किया जा | लिए |
| | सकता है। उसने रिमता को संगठन के निर्णय-सम्बन्धी विषयों मे शामिल करना प्रारंभ कर ि | 1 अंक |
| | दया और उसे एक उच्च-स्तरीय संयुक्त प्रबन्ध समिति का हिस्सा बना दिया। अब स्मिता का | =1×3 |
| | र्यालय में समय पर आती थी और उसके निष्पादन में भी | 3 अंक |

| | सुधार होना प्रारंभ हो गया। | =1+1+3 |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| | (अ) रीटा द्वारा निष्पादित प्रबन्ध के कार्य की पहचान कीजिए। | =5 अंक |
| | (व) प्रवन्ध के उपरोक्त कार्य के उस तत्व का नाम बताइए जिसकी सहायता से | |
| | रीटा स्मिता के व्यवहार में सुधार कर सकी। | |
| | (स) उपर्युक्त (ब) में पहचाने गए तत्व की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख | |
| | कीजिए। | |
| उत्तर | (अ) निर्देशन | |
| | (ब) अभिप्रेरणा | |
| | (स) अभिप्रेरण की विशेषताएँ (कोई तीन) | |
| | यह एक आंतरिक अनुभव है | |
| | यह लक्ष्य आधारित व्यवहार को जन्म देती है। | |
| | यह सकारात्मक अधवा नकारात्मक हो सकती है। | |
| | यह एक जटिल प्रक्रिया है। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने (य) दूसरे भाग में गैर किनीय प्रोत्साहन की पहचान तत्व के | |
| | रूप में की है तो पूरे अंक दिए जाए) | |
| 22 | एक कम्पनी 'एलईडी बल्ब' का उत्पादन कर रही थी जो बहुत अधिक माँग में थे। | प्रत्येक क |
| | यह पाया गया कि एक दिन में 300 बल्ब बनाने का लक्ष्य कर्मधारी प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। ि | ार्य की |
| | वश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली वले जाने के कारण | पहचान के f |
| | तथा कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने | लए १/२ अंक |
| | निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी और वंकल्पिक व्यवस्थाओं की | |
| | आवश्यकता था। | 1/2 ×2 |
| | मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए | १ अं क |
| | कम्पनी ने अनुगान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता थी जिसमें | 4 |
| | ं विस्ति का | 4 |

| | प्रत्येक अध्यक्ष के अधीन अधान अधीनस्थोंके रूप में कार्य करेंगे। आवश्यक | पहचान के f |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | योग्यताओं एवं कार्य विशिष्टताओं की भी सूची बना ली गई। यह भी निर्णय लिया गया कि | लए १/२ अंक |
| | संगठन के उत्तरदायी पदों पर महिलाओं, पिछदे तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तथा विशेष | 30000000 |
| | योग्यता वाले लोगों को उत्साहित करने के लिए छूट दी जाए। प्रार्थियों की योग्यताओं को उन | 1/2×4 |
| | की कार्य की प्रकृति के साथ मिलान के लिए सभी प्रयास किए गए। | 2 अंक |
| | (अ) उपरोक्त वर्णित प्रंवध के कार्यों का पहचानिए। | + |
| | (य) पहचाने गए प्रत्येक कार्य की प्रक्रिया के उन दो चरणों का उल्लेख कीजिए | प्रत्येक |
| | जिनका वर्णन उपरोक्त अनुच्छेद में किया गया है। | मूल्य के |
| | (स) ऐसे दो मूल्यों की सूची बनाइए जो कमपनी समाज का राम्प्रेषित करना | लिए |
| | चाहती है। | 1 अंक |
| उत्तर | (अ) नियुक्तिकरण व नियंत्ररण | =1×2 |
| | (ब) नियुक्तिकरण की प्रक्रिया के चरण | 2 अंक |
| | मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए | =1+2+2 |
| | कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता | =5 अंक |
| | थी जिसमें से 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में कार्य करेंगे | |
| | मानव शक्ति आवश्यकताओं के आकलन में किस प्रकार के कितने व्यक्तियों की आवश्यकता है, | |
| | का आकलन किया जाता है। | |
| | नियंत्रण की प्रक्रिया के चरण (कोई वो) | |
| | वारतिवक निष्यादन की मानकों से तुलना | |
| | विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली चले जाने के कारण तथा | |
| | कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी | |
| | वास्ताविक निष्पादन की मानकों से तुलना इध्छित व वास्ताविक परिणामों | |
| | अंतर को स्पष्ट करेगी। | |
| | 2. <u>चिचलन विश्लेषण</u> | |
| | विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली चले जाने के | |



| | काफ़ी वर्षों लगातार अच्छे लाभ अर्जित कर रही है। इस वर्ष भी वह पर्याप्त लाभ अर्जित करने में सफल रही है। कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ और भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। यह एक भली-भाँति प्रबन्धित संगठन है तथा गुणवत्ता, | घटक की प हचान के लि ए ½ अंक+ पंक्ति |
|----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------|
| 24 | 'सरह लिमिटेड' एक कम्पनी है जो सूती धागे का उत्पादन कर रही है। पिछले | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने चित्र अधूरा बनाया है लेकिल विवरण में सभी फोरमैन का नाम लिखा है तो चित्र के लिए। अंक वें) | |
| | के लिए उत्तरवायी होते हैं। | |
| | टीक से करने, मशीनों व उपकरण को कार्य के योग्य रखने एवं कार्य कह गुणवत्ता जाँच | |
| | उत्पादन अधिकारी के अधीन काम करने वाले अधिकारी श्रमिकों के कार्य समय पर व | |
| | वं अनुशासन सुनिश्चित करेगे। | |
| | । तैयार करेंगे, उत्पादन का कार्यक्रम तैयार करेंगे, समय व लागत सूची तैयार करेंगे ए | |
| | योजना अधिकारी के अर्न्तगत काम करने वाले कर्मचारी-कर्मचारियों के लिए निर्देश | |
| | वं निरीक्षक। | |
| | तथा उत्पादन अधिकारी के अधीन है— गतिनायक, टोली नायक, मरम्पत नायक र | |
| | कार्ड क्लर्क, कार्यक्रम क्लर्क, समय एवं लागत क्लर्क, एवं कार्यशाला अनुशासन | |
| | नियोजन अधिकारी के अधीन चार कर्मचारी कार्य कर रहे थे जिनके नाम है —िनर्देशन | |
| | सुझाव विया। | |
| | टेलर ने नियोजन के लिए चार व क्रियान्वन के लिए चार विशेषझों का | |
| | यह कार्य कार्य विभाजन व विशिष्टीकरण के सिद्धांत का विस्तार है। | |
| | इस तकनीक में नियोजन को क्रियान्वन से अलग किया गया। | |
| | की सलाह ली। | |
| | । कि कोई भी व्यक्ति इनको पूरा नहीं कर सकता इसलिए - उन्होनें आठ विशेषज्ञों | |
| | टेलर ने एक अच्छे फोरमैन/पर्यवेशक की योग्यताओं की सूची तैयार की लेकिन पा | T . |
| | कार्यात्मक फोरमैनशिप तकनीक से करखाने में पर्यवेक्षण की गुणवत्ता में सुधार : ता है। | 10:0 |

| से अंशाधारक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं। कमपनी ने आई.सी.आई.सी.आई. केंक से रूपे 40 लाख का ऋण तिया है और ऋण-समझीते के अनुसार लाभांश मुगतान कुछ प्रतिबन्धों के अधीन है। कम्पनी कें बारे में उपर्युक्त परिवर्षा उन विभिन्न घटकों की और संकंत करता है जो यह निर्णय लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लाभों का कितना भाग प्रतिधारित किया जाए और कितना वितरित किया जाए। उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उत्पुत करते हुए किसी चार घटकों को पहचानिए एवं समझाइए। लाभांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) जतर • उपार्जन का स्थायितः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अधित कर रही है। उपार्जन में स्थायित लाभोंश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकड प्रवाह स्थितिः कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के तिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड होना आवश्यक होता है। • संपृद्धि सुगोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुगोग वाली कम्पनियाँ कम लाभांश की धोषणा करती है। • अंशाविरयों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशाधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय पान्त करने को प्राथमिकता वेते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश धोषित करने से पूर्व अंशाधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | रोज़गार के समान अवसर तथा अच्छी पारिश्रमिक पद्धतियों में विश्वास रखती है। इसके बहुत | उद्धत |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| कमपनी ने आई. सी.आई. बैंक से रूपे 40 लाख का ऋण तिया है और ऋण-समझीते के अनुसार लाभांश भुगतान कुछ प्रतिवन्धों के अधीन है। कम्पनी के बारे में उपर्युक्त परिचर्चा उन विभिन्न घटकों की ओर संकेत करता है जो यह निर्णय लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लाभों का कितना भाग प्रतिधारित किया जाए और कितना वितरित किया जाए। उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उत्पृत करते हुए किसी चार घटकों को पहचानिए एवं समझाइए। लामांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का स्थायितः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अध्वा लगातार अध्वा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लामोंश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकड प्रवाह स्थितिः कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड है कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड है कम्पनी वारा लामांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुयोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अशधाराक है जो अपने निवेश पर नियमित आय पान्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रवन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | | |
| कण-समझीत के अनुसार लामांश मुगतान कुछ प्रतिवन्धों के अधीन है। कम्पनी के बारे में उपर्युक्त परिवर्षा उन विभिन्न घटकों की और संकेत करता है जो यह निर्णय लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लामों का कितना भाग प्रतिधारित किया जाए और कितना यितरित किया जाए। उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उव्धृत करते हुए किसी चार घटकों को पहचानिए एवं समझाइए। लाभांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का स्थायितः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित लाभांश धोषित करने की रिथति में होती है। • रेकड़ प्रवाह स्थितिः कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास प्रयोग्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संयुद्धि सुयोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियों कम लाभांश की घोषणा करती है। • अंशाधारियों का पूर्वाधिकार (इष्डा) इसके बहुत से अंशाधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय पान्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश धोषित करने से पूर्व अंशाधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | | SOURCE STORY |
| कम्पनी के बारे में उपर्युक्त परिवर्षा जन विभिन्न घटकों की और संकेत करता है जो यह निर्णय लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लामों का कितना भाग प्रतिधारित किया जाए और कितना वितरित किया जाए। उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उन्पृत करते हुए किसी चार घटकों को पहधानिए एवं समझाइए। लामांश वितरण को प्रमावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का स्थायित्वः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लामांश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकड प्रवाह स्थितिः कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड है कम्पनी द्वारा लामांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड होना आवश्यक होता है। • संपृद्धि सुरोगः मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कप्पनियों कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशावरियों का पूर्विधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशाधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता वेते है। प्रयन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | | , *C.30 *C.50 |
| निर्णय लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लामों का कितना माग प्रतिधारित किया लए ½ अंक ½ उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उन्धृत करते हुए किकी चार घटकों को पहचानिए ४४ एवं समझाइए। लामांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का रथायिखः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाम अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लामांश धोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकद प्रवाह स्थितिः कम्पनी होरा लामांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकद होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुगोगः मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुगोग वाली कम्पनियों कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर निपमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं। प्रयन्धकों हारा लामांश धोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | | |
| जाए और कितना वितरित किया जाए। उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उद्युत करते हुए किसी चार घटकों को पहचानिए एवं समझाइए। लाभांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का स्थायितः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अध्या लगातार अध्या लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लाभांश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रेंकड् प्रवाह स्थितिः कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड् है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुरोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर निविमित आय पान्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इन्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | PATRICIA CONTROL SALVER CONTROL SALV | 73-74000 |
| उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उद्धुत करते हुए किसी चार घटकां को पहचानिए एवं समझाइए। • उपार्जन का स्थायितः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अध्धा लगातार अध्धा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लाभांश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकड प्रवाह स्थितिः कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुरोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लाभांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वीधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय पार्च करने को प्राथमिकता वेते है। प्रबन्धकों हारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | जाए और कितना वितरित किया जाए। | |
| एवं समझाइए। लामांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) उपार्जन का स्थायित्वः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लामांश घोषित करने की स्थिति में होती है। ' रोकड़ प्रवाह स्थितिः कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लामांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। संपृद्धि सुरोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय पान्त करने को प्राथमिकता वेते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश धोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उद्धृत करते हुए किन्हीं चार घटकों को पहचानिए | ORGANISTS II |
| ज्यार्जन का स्थायित्वः पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाम अर्जित कर रही है। ज्यार्जन में स्थायित्व लामांश घोषित करने की स्थिति में होती है। रोकड़ प्रवाह स्थिति कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लामांश घोषित करने के लिए जसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। संवृद्धि सुरोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर जपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर निविमित आय पान्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रमन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | 1 63 | =6 अंक |
| पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। उपार्जन में स्थायित्व लाभांश घोषित करने की स्थिति में होती है। • रोकड़ प्रवाह स्थिति कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुरोग: भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लाभांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर निविभित आय पान्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रमन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | लामांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) | |
| रांकढ़ प्रवाह स्थिति रांकढ़ प्रवाह स्थिति कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोंकढ़ होना आवश्यक होता है। संवृद्धि सुरोगः मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता वेते है। प्रबन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | उत्तर | उपार्जन का स्थायित्वः | |
| रांकढ़ प्रवाह स्थिति रांकढ़ प्रवाह स्थिति कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोंकढ़ होना आवश्यक होता है। संवृद्धि सुरोगः मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुरोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता वेते है। प्रबन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। | |
| कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुयोगः भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियों कम लाभांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | जपार्जन में स्थायित्व लाभांश घोषित करने की स्थिति में होती है। | |
| कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संयुद्धि सुयोग: मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | • प्रोकड् प्रवाह स्थितिः | |
| रोकड़ होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुयोग: भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। • अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है | |
| संवृद्धि सुयोगः मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इन्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में | |
| भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इन्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | रोकड़ होना आवश्यक होता है। | |
| कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर निविमत आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लामांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इन्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | • संवृद्धि सुयोगः | |
| अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश धोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | भविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली | |
| निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | कम्पनियाँ कम लामांश की घोषणा करती है। | |
| निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है। प्रबन्धकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। | | अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने | |
| सम्मान करना आवश्यक है। | | | |
| | | प्रबन्धकों द्वारा लाभांरा घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का | |
| संविदात्मक प्रतिबंध कम्पनी ने आई. डी. बी. आई. से अधीन है। | | सम्मान करना आवश्यक है। | |
| | | संविदात्मक प्रतिबंध कम्पनी ने आई. डी. बी. आई. से अधीन है। | |

| | कन्पनी द्वारा लामांश मुगतान के समय ऋण देने वाली संस्था द्वारा लगाई गई शर्तों के पालन की अपेक्षा की जाती है। | |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| 25 | भारतीय बाज़ार में 'हयाराम' एक प्रसिद्ध श्रृंखला है जो विभिन्न प्रकार के उत्पाओं का विक्रय करती है। इसके उत्पादों में चिप्स, बिस्कुट, मिठाइयाँ तथा शरबत सम्मिलित है। चूँकि यह गुणवत्ता उत्पादों का विक्रय करती है अत: अपने | 6 अंक |
| | प्रतियोगियों की तुलना में यह अधिक मूल्य लेती है। इसके अतिरिक्त यह | |
| | उपभोक्ताओं को नियाभित रूप से छूट भी देती है और फुटकर विक्रेताओं को | |
| | आसान शर्तों पर उधार माल वेती है। इसकी पाँच फुटकर दुकानें है। यह विभिन्न | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उत्पादों की बिक्री करती है ताकि | |
| | उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उचित मात्रा में तथा उचित समय पर उत्पाद उपलब्ध | |
| | कराए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए यह नियमित रूप से विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का उपयोग करती है। | |
| | उपरोक्त अनुन्छेद हवाराम द्वारा अपने बाज़ार उत्पाद की प्रस्तुति में प्रयुक्त | |
| | विभिन्न घटकों के संयोजन का वर्णन करता है। इन घटकों का पहचानिए एवं | |
| | समझाइए। | |
| उत्तर | हयाराम द्वारा बाज़ार उत्पाद की प्रस्तुति में संयोजित घटक निम्न है: | |
| | • उत्पाद | |
| | इसके उत्पादों में चिप्स, बिस्कुट, मिठाईयाँ व शरबत सम्मिलित है | |
| | उत्पाद मिश्र से तात्पर्य विक्रय के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले उत्पाद | |
| | अथवा सेवा के सभी आयामों का संयोजन से है। इसका संबंध उन सभी | |
| | निर्णयों से है जो जस उत्पाद अथवा सेवा के रूप आकार, योजना व विकाससे संबंधित | |
| | है जिसे उपभोक्ता द्वारा उपयोगी पाया जायेगा। इसमें ब्रांडिंग, लेवलिंग व पेकेजिंग भी सम्मिलित है। | |
| | मूल्यः अतः अपने प्रतियोगियाँ की तुलना में वह अधिक मूल्य लेती है। इसके अतिशिक्त | |
| | वह उपमोक्ताओं को नियमित रूप से छुट भी देती है और फुटकर विक्रेताओं को | |

आसान शर्तो पर उधार माल देती है। मूल्य मिश्र में मूल्य नीति, मूल्य रणनीति, मूल्य परिवंतन आदि सन्निहित है। इसके अन्तंगत उत्पाद के आधारभूत मूल्य, उसपर दी जाने वाली छूट, मते भुगतान की शर्तों आदि से संबंधित निर्णय शामिल है।

स्थान/वितरण

स्थान अथवा वस्तुओं का वितरण में निर्देष्ट उपमोक्ताओं को फर्म के उत्पादों को उपलब्ध कराने की क्रियाएँ सम्मिलित है। इसके अन्तर्गत वह सभी क्रियाएँ सम्मिलित हैं जिनके द्वारा उत्पादक रो स्वामित्व का हस्तांतरण उत्पादक से उपभोक्ता को मिलता है। इसमें वह सब क्रियाएँ भी सम्मिलित हैं जिनके द्वारा उत्पाद व सेवाएँ वितरण के विभिन्न माध्यमों से गुजरते हुए उत्पादक से उपभोक्ता की ओर गतिमान होती है। प्रवंतन

विक्रय को बदाने के लिए यह नियमित रूप से विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का उपयोग करती है।

वस्तु एवं सेवाओं के प्रवंतन में जो क्रियाएँ सम्मिलित है, वे है उत्पाद की उपलब्धता, रग-रूप, गुण आदि को लक्षित उपभोक्ता के समक्ष रखना तथा उसे इसे इसके क्रय के लिए प्रोत्साहित करना।

(यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्धृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा जाए।)

| प्रश्न | | |
|---------|-----------------------------|------------|
| 1100000 | अपेक्षित उत्तर | मूल्यांकन |
| संख्या | अंक - योजना मार्च 2014-2015 | 1000000000 |
| | | बिन्दू |

| 66/1/2 | 1 1 10 10 | |
|--------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| 00/1/2 | अंक योजना (दिल्ली) 66/1/2 विषयः व्यावसाथिक अध्ययन | |
| 1. | 'इंडियन लोजिस्टिक्स' के पूरे देश में मुख्य स्थानों पर अपने भंडारगृहों की सुविधाएँ व्यावसायिक फर्म को अपने उपव्ययों को कम करने, प्रभावपूर्णता को बढ़ाने तथा वितरण समय को कम करने में सहायता करती है। | 1/2 अंक पहचान के f लए + |
| | अपने उत्तर के समर्थन में कारण देते हुए उल्लेख कीजिए कि 'इंडियन लोजिस्टिक्स' की कार्यशील पूँजी की आवश्यकताएँ अधिक होंगी या कम। | 1/2 अंक कारण देने |
| उतार | कम कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होगी क्योंकि यह एक सेवा उद्योग है जिन्हें प्राय: माल का स्टॉक रखने की आवश्यकता नहीं होती है। | के लिए 1/2 + 1/2 |
| 2. | 'ब्यटी प्रोडक्ट्स लिमिटेड' एक एक्टिक एवं केंद्रिक | = १ अंक |
| स्तर | 'ब्यूटी ब्रोडक्ट्स लिमिटेड' एक प्राकृतिक एवं नैतिक ब्रान्ड नाम है जो पुरूषों एवं स्त्रियों के ि लए जैविक सीन्दर्य प्रसाधन पेश करने के लिए प्रसिद्ध है। कम्पनी अपने उत्पादों के लिए पीधों पर आधारित सामग्री का उपयोग कस्ती है और देश में नम्बर! सीन्दर्य प्रसाधन ब्रान्ड है। यह न केवल अपने उपमोक्ताओं को सन्तुष्ट करती है अपितु इस ग्र ह की समस्त सुरक्षा में भी विश्वास रखती है 'ब्यूटी प्रोडक्ट्स लिमिटेड' द्वारा अपनाई जाने वाली विपणन प्रवन्ध अवधारणा को पहचानिए। सामाजिक विपणन अवधारणा। | । अंक |
| 1 | सोनिका के जन्मदिन पर उसकी माँ ने उसे सोने की कान की बालियों की एक जोड़ी वी एक महीने बाद सोनिका ने देखा की कान की बालियों की चमक खो रही है। उसने कान की बालियों पर लगे चिन्ह की जाँच की और पाया कि उधित हॉलमार्क नहीं है और दुकानदार ने उसकी माँ के साथ घोखा किया है। अत: सने जिला फोरम में एक शिकायत दर्ज़ की जिसे जिला फोरम द्वारा रह करदिया गया। जिला फोरम के के निर्णय से ह असंतुष्ट थी तथा बहुत अधिक परेशान थी और दो महीनों के बाद निर्णय लिया कि वह आगे अपील करेगी। | । अंक |

| | उत्तर के सर्मथन में कारण दीजिए। | 1 |
|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| उत्तर | नहीं सोनिका अपील नहीं कर सकती क्योंकि मीड़ित पक्षकार जिला फोरम के आदेश | |
| | पारित करने के पश्चात् तीस दिन के भीतर अपील कर सकता है। | |
| 4. | प्रवन्ध किस प्रकार व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयक है? उल्लेख कीजिए। अभिप्रेरणा तथा नेतृत्व के द्वारा प्रबंध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है जिससे व्यक्तियों/सदस्यों के व्यक्तिगत उद्देश्यों की संतुष्टि की जा सके तथा प्रबंध को लिए व्यक्तिगत उद्देश्यों के साथ मिलान करना होता है। | ा अंक |
| | (अन्य कोई उधित परिभाषा) | |
| 5. | एलान्स लिमिटेड प्लास्टिक की बाल्टियाँ बनाने के कार्य में संलग्न है। कम्पनी का उद्देश्य प्रति दिन 100 बाल्टियों का निर्माण करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों के प्रयास समन्वित तथा अन्तर्सम्बन्धित है और विभिन्न कार्य— पदों में अधिकार—उत्तरदायित्व का सम्बन्ध स्थापित कर दिया है। यह स्पष्ट है कि कीन किस को रिपांट करेगा। उपर्युक्त वर्णित प्रबन्ध के कार्य का नाम बताइए। संगठन। | १ अंक |
| 5 डलार | 'ऋण की लागत' किस प्रकार एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रभावित करती है? समझाइए। 'ऋण की लागत' एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रभावित करती है क्योंकि एक कम्पनी द्वारा नीची ब्याज की वर पर ऋण लेना उसकी ऊँची वर से ऋण विनियोजन क्षमता को प्रवर्शित करता है। | 1 अंक |
| तार | प्रवन्ध में 'समन्वय' से क्या अभिप्राय है? समन्वय- एक समान उद्वेश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न विभागों की गतिविधियों की एकात्मकता की प्रक्रिया को समन्वय कहते हैं। | । अंक |

| | (अन्य कोई उचित परिभाषा) | |
|------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------|
| 8 उत्तर | 'नियोजन' को परिभाषित कीजिए। नियोजन- से तात्पर्य निर्धारित समय में उद्दश्यों का निर्धारण तथा इन उद्दश्यों की प्राप्ति के लिए समुचित कार्यविधि को विकसित करने तथा कार्यवाही की वैकल्पिक विधियों में से सर्वोत्तम विकल्प का चुनाव करना सम्मिलित है। (अन्य कोई उचित परिभाषा) | 1 अंक |
| 9 | सम्बन्धित लागत, आश्रम तथा लाभ के प्रति जावबदेह होते है। | अर्थ के लिए 1 अंक + प्रत्येक उल्लेख के लिए 1 अंक। ×2 =2 अंक 1+2 = 3 अंक |

| 10 | 'वित्तीय बाज़ार एक अर्थव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके सीमित सार | च शीर्षक के f |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------|
| | नों के नियतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' ऐसे किन्हीं तीन कार्यों को समझाइये। | लए 1/2 अंब |
| | 'वित्तीय बाज़ार एक अर्थव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके | + |
| उत्तर | त्तीमित साधनों के नियतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' ऐसे कार्यों का वर्णन | प्रत्येक |
| | इस प्रकार है-(कोई तीन) | विवरण के |
| | बचतों को गतिशील बनाना तथा उन्हें अधिकाधिक उत्पादक उपयोग में | लिए 1/2 |
| | सरिगत करना। | अंक |
| | गूल्य खोज को सुसाध्य/सुगम बनाना। | =1×3 |
| | वित्तिय परिसंपत्तियों हेतु दक्ता उपलब्ध कराना। | =3 अंक |
| | लेन देन की लागत को घटाना। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने उपरोक्त शीर्षक लिखे बिना भी उचित विवरण | |
| | विया हो तो उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| n | नीरज, ओमिडा लिमिटेड में एक विक्रय प्रतिनिधि है। उसने पिछले एक वर्ष में | बाधा की |
| | सात नीकरियाँ बदली है। वह एक बहुत ही मेहनती व्यक्ति है लेकिन अपनी | पहचान का |
| | अपर्याप्त शब्दावली और आवश्यक शब्दों का सही प्रयोग न करने के कारण वह ग्राहकों के स | 1 अंक |
| | ाथ सीवों को अन्तिम रूप देने में असर्मथ रहता है। कभी-कभी वह | बाधा की |
| | गलत शब्दावली का प्रयोग भी करता है जिसके कारण वह वो अर्थ सम्प्रेषित नहीं कर पाता ज | |
| | | अंणी का |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। | अणा का नाम वताने |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण वाधा को पहचानिए। | |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को पहचानिए। (ब) इस सम्प्रेषण बाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। | नाम वताने |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को पहचानिए। (ब) इस सम्प्रेषण बाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। (स) इसी श्रेणी की एक और सम्प्रेषण बाधा को समझाइए। | नाम यताने का 1/2 |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को पहचानिए। (ब) इस सम्प्रेषण बाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। (स) इसी श्रेणी की एक और सम्प्रेषण बाधा को समझाइए। (क) संदेश की अनुपयुक्त अभिव्यक्ति। | नाम बताने का 1/2 अंक + |
| त्तर | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को पहचानिए। (ब) इस सम्प्रेषण बाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। (स) इसी श्रेणी की एक और सम्प्रेषण बाधा को समझाइए। | नाम बताने का 1/2 अंक + बाधा की |

| | यह सामाजिक जत्तरदायित्वाँ को पूरा करने में सहायक है क्योंकि जनसाधारण | |
|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| | यह बदलती पर्यावरण की आवश्यकताओं के अनुरूप परिवर्तन/बदलाव किया जा सकता है। | |
| | रत होते है। | = ४ अंक |
| | यह <u>प्रमावी प्रशासन</u> में सहायक है। जिससे प्रबंधको द्वारा निर्णय पक्षपात से भुक्त रहे। | 1+3 |
| | | =३ अंक |
| | ण करने की नीति में होने वाली क्षति से बचा सकता है। | ×3 |
| | प्रबंध के सिद्धांत, प्रबंधकों को <u>वास्तविकता का उपयोगी सृक्ष्म ज्ञान</u> प्रदान करते है। यह संसाधनों के <u>अधिकतम उपयोग</u> में सहायक है। जिससे गलतियों से शिक्षा ग्रह | लिए। अंक |
| | प्रबंध के सिद्धांतों का महत्त-(कोई तीन) | उल्लेख के |
| | प्रबंध के सिद्धांत निर्णय लेने एवं व्यवहार के लिए व्यापक एवं सामान्य मार्गदर्शन होते है। | प्रत्येक |
| स्तर | प्रबंध के सिद्धांत-(अर्थ) | + |
| | कीजिए। | लिए 1 अंच |
| 4 | 'प्रबन्ध के सिद्धान्तों से क्या अभिप्राय है? इसके महत्त्व के किन्हीं तीन बिन्दुओं का उल्लेख | अर्थ के |
| | इस प्रकार की शैली से पारस्परिक फायवे है- इसके अधीनस्थों। कर्नचारियोंको दीम का ा सदस्य बनने का अवसर मिलता है। तथा अधिकारियों/नेताओं द्वारा इससे अच्छे निर्ण य लिये जाते है। | |
| | त्मक सुधार होता है तथा उनका मनोबल भी बदता है। | =3 अंक |
| | करता है। इससे कर्मधारियों में उनकी नौकरी तथा संगठन के प्रति दृष्टिकोण में सकारा | =1+2 |
| | एक लोकतंत्रीय नेता समूह द्वारा लिए गए निर्णयों का अधीनस्थों सम्मान | 2 अंक |
| उत्तर | लोकतंत्रीय नेतृत्व शैली। | =1×2 |
| | कीजिए। | लिए 1 अंव |
| | प्रमोद द्वारा अपनाई गई नेतृत्व शैली की पहचान कीजिए तथा इसका वर्णन | विवरण व |
| | देता था और समूह की स्वीकृति से नीतियों को कार्यान्वित करता था। | विन्दु के |
| | न आए। वह एक अच्छा नेता था जो अपने अधीनस्थों से विचार-विमंश करने के बाद आदेश | प्रत्येक |
| | उत्पादन कार्य निर्विष्ट रूप से चलता रहे और उसमें किसी प्रकार की कोई बाधा | + |

| | में बढ़ती जागरूकता के कारण प्रबंध के सिद्धांत एवं प्रबंध दिवस का ज्ञान उसकी माँगों के अनुरूप है। प्रबंध के सिद्धांत, प्रबंध प्रशिक्षण, शिक्षा एवं अनुसंधान को आधार प्रदान करते है। कर ोंकि यह प्रबंध को एक शास्त्र के रूप में विकीसत करने का प्रारंशिक आधार प्रदान करते है। (यवि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|
| 15 | उपमोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत दिए गए उपभोक्ता के निम्न अधिकारों को समझाइए: | 2 अंक + 2 अंक = |
| उत्तर | (अ) सुरक्षा का अधिकार: तथा | 4 अंक |
| | (व) शिकायत का अधिकार। | |
| | (क) सुरक्षा का अधिकार- | |
| | उपमोक्ता को उन वस्तुओं एवं सेवाओं के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार है जो उसके | |
| | जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए खतरा है। | |
| | चपभोक्ता को उन जोखिमों सं संरक्षण प्रदान करता है, जो अवस्तरीय चत्पादों या जो सुरक्षा के मानकों के अनुरूप नहीं है। | |
| | (ख) शिकायत काअधिकार— | |
| | जपभोक्ता यदि वस्तु एवं सेवा से संतुष्ट नहीं है तो उसे शिकायत दर्ज कराने तथा उस की सुनवाई का अधिकार है। | |
| | इसी कारण कई व्यावसायिक इकाइयों ने अपने स्वयं के शिकायत एवं उपभोक्ता सेवा कक्ष की स्थापना की है। | |
| 6 | 'गनेश स्टील लिमिटेड', एक विशाल एवं उधार-पात्रता बाली कम्पनी है जो | प्रलेख के |
| | भारतीय वाज़ार के लिए स्टील का उत्पादन करती है। अब यह एशिया के बाज़ारको भी स्टील की आपूर्ति करना चाहती है और नई उच्च-तकनीक वाली मशीनों में निवेश करने का विचा | नाम के लिए 1 अंक |

| | र कर रही है। निवेश की अधिक मात्रा होने के कारण | + विवरण |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|
| | कम्पनी को दीर्घकालिक वित्त की आवश्यकता है। कम्पनी ने निर्णय लिया कि यह समता अंश | 27/3/3/3/3/2/2/ |
| | जारी करके वित्त एकत्रित करंगी। समता अंशों को जारी करने में | अंक + |
| | बहुत अधिक निर्गमन लागत (फ्लोटेशन कॉस्ट) निहित है। निर्गमन लागत | अवधि के |
| | (फ्लोटेशन कॉस्ट) के खर्चों को पूरा करने के लिए कम्पनी ने मुदा-बाज़ार के | लिए 1 अंद |
| | प्रलेखों को उपयोग में लाने का निर्णय लिया। | + कोई |
| | (अ) उपर्युक्त उद्देश्य के लिए कम्पनी मुदा-बाज़ार के जिस प्रलेख का प्रयोग कर सकती है, | अन्य |
| | उसका नाम बताते हुए उसे समझाइए। | उद्देश्य |
| | (व) इस प्रलेख के माध्यम से कम्पनी कितनी अवधि के लिए पित्त प्राप्त कर | बताने के |
| | सकती है? | लिए। |
| | (स) इस प्रलेख का और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है? | अंक |
| उत्तर | (क) वाणिज्यिक (तिजारती) पत्र | 1+1+1+1 |
| | यह विशाल उधारपात्रता वाली कम्पनियाँ द्वारा अल्पकालिक बाज़ार दर से कम दर पर निधि उग | |
| | हिने के लिए जारी किया जाने वाला पत्र है। | 55.78.410 |
| | यह एक अल्पकालिक, अनारक्षित, परकाम्य तथा रिथर अवधि का वचन पत्र है। | |
| | (व) इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिन से एक वर्ष है। | |
| | (स) इसका उपयोग मौसमी व कार्यशील पूँजी की आयश्यकताओं के लिए भी किया | |
| | जाता है। | |
| 7 | 'आपका विद्यालय' पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम-सहगाभी व क्रीड़ा सम्बन्धी क्रियाओं के मिश्रण द्वारा | सिद्धान्त की |
| | विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास में विश्वास रखता है तथा टीम | पहचान के |
| भाग | भावना को बढ़ावा देता है। अपने स्थापना दिवस पर विद्यालय को एक स्टेज | लए । अंक |
| | कार्यक्रम प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम सम्बन्धी विभिन्न पक्षों की योजना बनाने के | + |
| | तिए उन्होंने दस प्रधान बच्चों की एक कमेटी बनाई। उन्होंने यह निर्णय लिया कि सजावट के | प्रत्येक |
| | लिए वे युन:चक्रिक कागज का प्रयोग करेंगे। उनमें एकता एवं | विश्वधेता के |
| | समन्वयं की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। | उल्लेख |

पारस्यारिक विश्वास एवं अपनेपन की भावना के कारण कार्यक्रम व्यवस्थित रूप के लिए 1 से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। कार्तिक ने, जो प्रधान बच्चों में से एक था, 12 यह अनुभव किया कि अनजाने में कार्य के नियोजन एवं कार्यान्वयन में उनके दल 1/2×2 ने प्रबन्ध के विभिन्न सिद्धान्तों में से एक का प्रयोग किया है। वह कार्यक्रम की । अंक सफलता से इतना अधिक प्रेरित हुआ कि उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त को अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। उसके पिताजी ने बताया कि वह प्रत्येक मूय पहले से ही उस सिद्धान्त का उपयोग कर रहे हैं। के लिए (अ) कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयोग किए गए प्रवन्ध के सिद्धान्त को 1 अंक पहचानिए। $=1\times2$ (ब) प्रबन्ध की उन दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन पर उपरोक्त 2 अंपा अनुच्छेद में प्रकाश हाला गया है। =1+1+2 'आपका विद्यालय' द्वारा समाज को सम्प्रेषित किए गए किन्हीं दो मूल्यों की =4 अंक पहचान कीजिए। (क) प्रयन्ध का सिद्धान्त – सहयोग की भावना (ख) प्रबन्ध की विशेषताएँ-(कोई वो) प्रबन्ध सर्वव्यापी है। उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त को अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। क्योंकि यह किसी भी संगठन (चाहे आर्थिक हो या सामाजिक या फिर राजनैतिक) के प्रकार/स्तर के लिए उपयुक्त है। 2. प्रबन्ध एक सामूहिक क्रिया है उनमें एकता एवं समन्वय की भावना थी और सभी सवस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। क्योंकि इसमें एक टीम के रूप में कार्य करना होता है एवं व्यक्तिग प्रयत्नों में समान दिशा में समन्वय की आवश्यकता होती है। 3. प्रबन्ध एक उद्वेश्यपूर्ण प्रक्रिया है

| | कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। | - |
|---|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|
| | | |
| | क्योंकि यह संगठन के विभिन्न लोगों के प्रयत्नों को उद्वेश्यों की प्राप्ति हेतु एक सूत्र में बाधेंता है। | |
| | | |
| | 4. प्रबन्ध बहुआयामी है | |
| | कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। | |
| | अथवा | |
| | उनमें एकता एवं समन्वय की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे | 7 |
| | क्योंकि इसके अंतर्गत कार्य का प्रबन्ध सम्मिलित है। | |
| | प्रबन्ध एक अमूर्त शक्ति है | |
| | पारस्यारिक विश्वास एवं अपनेपन की भावना | |
| | जो दिखाई नहीं पड़ती लेकिन संगठन के कार्यों के रूप में जिसकी उपस्थिति को अनुभव किय | |
| | जा सकता है। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने विशेषताओं को ठीक से पहचान कर उनका विवरण दिया है लेकिन अनुच्छेद से पंक्तियों को उद्धत नहीं किया है तो भी उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| | (ग) समाज को संप्रेषित किए गए मूल्य-(कोई a)) | |
| | पर्यावरण के प्रति सजगता। | |
| | • बच्चों का संपूर्ण विकास। | |
| | • दीम के रूप में कार्य। | |
| | (अन्य कोई उचित मूल्य) | |
| 8 | 'व्याम लिमिटेड' के कर्मचारी बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए आयात की गईनई तथा हा | |
| | ई-तकनीक मशीनों पर काम करने के योग्य नहीं है। इसलिए | 1 3/an + |
| | कर्मचारी पर्यवेक्षक से अतिरिक्त मार्गदर्शन की माँग कर रहे हैं। और कर्मचारियों के वार-बार | =3 अंक |
| | बुलाने के कारण पर्यवेक्षक पर बहुत अधिक भार है। | 1+3 3/4 |

| | सुझाव दीजिए कि पर्यवेक्षक किस प्रकार कर्मधारियों के कौशल व ज्ञान को बढ़ाकर उन्हें स्व | = 4 अंक |
|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | तन्त्र रूप से कार्य संभातने के योग्य बना सकता है। | |
| | उन तीन लागों का भी उल्लेख कीजिए जो कर्मचारियों को पर्यवेशक के इस | 10 |
| | निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं। | |
| उत्तर | कर्मचारियों का प्रशिक्षण/ प्रकोष्ठ प्रशिक्षण/ ऑन द जॉब विधि। | |
| | वह लाभ जो कर्मचारियों को पर्यवेक्षक के इस निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं-(कोई तीन) | |
| | प्रशिक्षण के कारण कौशल तथा जान में सुधार व्यक्ति की जीवन वृत्ति को | |
| | भी बेहरार बनाता है। | |
| | कार्य का बेहतर निष्पादन व्यक्ति के अधिक कमाने में सहायक है। | |
| | प्रशिक्षण द्वारा दुर्घटनाओं से बचाव होता है क्योंकि कर्मचारी कशलतापूर्वक | |
| | मशीनों को संभाल पाते हैं। | |
| | प्रशिक्षण कर्मचारियों के संतोष तथा मनोबल को बद्धता है। | |
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्पक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| 9 | समीर गुप्ता ने 15 कर्मचारियों के साथ भारतीय ग्रामीण बाज़ार के लिए सस्ते | पहचान के ि |
| | मोबाइल फोन का उत्पादन करने के लिए 'डोनिया लिमिटेड' नाम से एक | लए । अंक |
| | बूरसंचार कम्पनी प्रारंभ की। अपने प्रारम्भिक वर्षों में कम्पनी ने बहुत अच्छा कार्य | + |
| | किया। चूँकि उत्पाद अच्छा था और उसका विपणन भी टीक प्रकार से हो रहा था, इसलिए इ | शीर्षक के |
| | सके उत्पादों की माँग बढ़ गई। उत्पादन को बढ़ाने के लिए कम्पनी को अतिरिक्त कर्मचारियों | लिए 1/2 |
| | की मर्ती करनी पड़ी। समीर गुप्ता, जो पहले सारे निर्णय | अंक + |
| | स्वयं ले रहा था, को कुछ चुनिन्दा अधिकारों का अंतरण करना पड़ा। उसे यह | प्रत्येक |
| | विश्वास था कि अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए अधीनस्थ पूर्ण रूप से | के विवरण |
| | सक्षम, समर्थ एवं साधनसम्यन्न है और अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण | के लिए |
| | ढंग से लागू करने का उत्तरदायित्व उठा सकते हैं। इसके अच्छे परिणाम मिले और कम्पनी न | 1/2 अंक |
| - 1 | केवल अपना उत्पादन बढ़ाने में कामयाव रही अपितु इसने अपनी | |

| | प्रतिभा का उपयोग करने के लिए अधिक सुअवसर प्राप्त होते है। • यह कर्मचारियों को <u>प्रेरणा देने/अभिप्रेरित</u> करने में सहायक है जिससे वह अपने | |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
| | यह प्रभावी प्रबंध में सहायक है जिसके परिणामस्वरूप प्रशंधक अधिक समय महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केन्द्रित कर पाता है। अधिकार अंतरण, <u>कर्मचारियों के विकास</u> में सहायक है क्योंकि कर्मचारियों को अपनी | ×5 = 5 अंक |
| उत्तर | | लिए। अंका |
| | उल्लेख कीजिए। | प्रत्येक उल्लेख के |
| 20 | अधिकार अंतरण के महत्व पर प्रकाश डालने वाले किन्हीं पाँच विन्दुओं का | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने आवधारणा को सही नहीं पहचाना लेकिन महत्व के बिन्दु सही दिएं है तो उसे उचित अंक दिए जाए) | |
| | जाए।) | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्धृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा | |
| | প্রতিত নিয়ন্ত্রण। | |
| | विकास को सरल बनाता है। | |
| | शीर्थ प्रबंध को सहत । | |
| | • शोघ निर्णय। | |
| | भविष्य के लिए प्रबंधकीय प्रतिमा का विकास। | |
| | अधीनस्थों में पहल भावना का विकास। | |
| | (ख) विकेन्द्रीकरण का महत्व- (कोई तीन) | |
| उत्तर | (क) विकेन्द्रीकरण। | 4 0145 |
| | (व) इस अवधारणा के महत्व के किन्हीं तीन बिन्दुओं को भी समझाइए। | =4 अंक 4 अंक |
| | पनी को अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम हो गया। | |
| | (अ) उस अवधारणा को पहचानिए, जिसका प्रयोग करके समीर गुप्ता अपनी कम | 3 अक |

| | (व) पहचाने गए प्रत्येक कार्य की प्रक्रिया के उन दो चरणों का उल्लेख कीजिए | =1+1+3 =5 star |
|----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| | (अ) उपरोक्त वर्णित प्रंवध के कार्यों का पहचानिए। | 3 अंक |
| | यता वाले लोगों को उत्साहित करने के लिए छूट वी जाए। प्रार्थियों की योग्यताओं को उनकी कार्य की प्रकृति के साथ मिलान के लिए सभी प्रयास किए गए। | =1×3 |
| | संगठन के उत्तरदायी पर्दों पर महिलाओं, पिछड़े तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तथा विशेष योग | 1 अंक |
| | योग्यताओं एवं कार्य विशिष्टताओं की भी सूची बना ली गई। यह भी निर्णय लिया गया कि | लिए |
| | प्रत्येक अध्यक्ष के अधीन अधान अधीनस्थोंके रूप में कार्य करेंगे। आवश्यक | विशेषता के |
| | से 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में कार्य करेंगे तथा 10 | प्रत्येक |
| | कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता शी जिसमें | + |
| | मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए | लए । अंक |
| | 2771 | पहचान के र्र |
| | थी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता | तत्व की |
| | था कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही | ± |
| | वश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। विजली चले जाने के कारण त | |
| | यह पाया गया कि एक दिन में 300 बल्ब बनाने का लक्ष्य कर्मचारी प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। f | कार्य की |
| 21 | एक कम्पनी 'एलईडी बल्ब' का उत्पादन कर रही थी जो बहुत अधिक माँग में थे। | |
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| | यृत्ति को रोका जा सकता है। | |
| | अधिकार अंतरण <u>उत्तम सामंजस्य</u> में सहायक है जिससे कार्यों की लीपापोती तथा पुनर | 7 |
| | अधीनस्थ संबंध बनाने में सहायक है। | |
| | यह प्रबंध सोपानिकी (पदानुकम) का आधार है क्योंकि अधिकार अंतरण, अधिकारी | |
| | पर नया काम, करने के लिए तुरंत कार्यबल मिल जाता है। | |
| | अधिकार अंतरण एक संगठन में जसकी वृद्धि/विकास में सहायक है जिससे ऊँचे पदी | |
| | बनाने का प्रयत्न करता है। | |

जिनका वर्णन उपरोक्त अनुच्छेद में किया गया है। (स) ऐसे दो मूर्त्यों की सूची बनाइए जो कमपनी समाज का सन्प्रेषित करना चाहती है। (अ) नियुक्तिकरण व नियंत्ररण उलार (ब) नियुक्तिकरण की प्रक्रिया के चरण मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए कन्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता थी जिसमें से 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में कार्य करेंगे मानव शक्ति आवश्यकताओं के आकलन में किस प्रकार के कितने व्यक्तियों की आवश्यकता है, का आकलन किया जाता है। नियंत्रण की प्रक्रिया के चरण (कोई दो) 1. वास्तविक निष्पादन की मानकों से तुलना विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली चले जाने के कारण तथा कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी वास्ताविक निष्पादन की मानकों से तुलना इच्छित व वास्ताविक परिणामों अंतर को स्पष्ट करेगी। 2. विचलन विश्लेषण विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली चले जाने के कारण तथा कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता थी। विचलन विश्लेषण अंतर के कारण का पता लगाने में सहायक होते है। 3. सुधारात्मक कार्यावाही बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता थी जिसमें से 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में क ार्य करेंगे

| | यदि आवस्यक हो तो सुधारात्मक कार्यावाही की जाए। | |
|----|-----------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | (पंक्ति उद्धत करने पर भी पूरे अंक दे) | |
| | वह मूल्य जो कम्पनी द्वारा समाज में पेषित किए गए | |
| | चरपादन के लिए पर्यावरण मित्र तरीकों का प्रयोग | |
| | • नारी संशक्तिकरण | |
| | समाज के निम्न वर्गों का उत्थान | |
| 22 | पिछले वस वर्षों से स्मिता 'जोनसन एन्टरप्राइसेज़' में एक सहायक प्रबन्धक के पद पर का | कार्य की |
| | र्य कर रही थी। यह कार्य के प्रति अपने वचनवद्भता एवं समर्पण के | पहचान के f |
| | कारण अपने साथियों के बीच बहुत प्रसिद्ध थी। जब उससे वरिष्ठ प्रबन्धक | लए । अंक |
| | सेवानिवृत्त हुआ तो उसके सभी साथियों ने यह सोबा कि स्मिता की अब पदोन्नित हो जाएगी | + |
| | । जब इस खाली पद को एक बाहरी व्यक्ति 'श्रीमती रीटा' द्वारा भर | तत्व की |
| | दिया गया तो सभी को आश्चर्य हुआ। इसके कारण स्मिता का उत्साह भंग हो | पहचान के ि |
| | गया और उसका निष्पादन गिरना शुरू हो गया। उसने अपने आपको अक्सर | लए । अंक |
| | अनुपश्थित करना शुरू का दिया और अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी। | + |
| | श्रीमति रीटा, एक अच्छी नेता थी जो अपने अधीनस्थों को केवल आदेश देती | प्रत्येक |
| | थी, अपितु उन्हें मार्गदर्शित एवं अभिप्रेरित भी कस्ती थी। उसने स्मिता के व्यवहार की ओर ६ | विशेषता के |
| | वान दिया और महसूस किया कि उसके निष्पादन में सुधार किया जा | लिए |
| | सकता है। उसने स्मिता को संगठन के निर्णय-सम्बन्धी विषयों मे शामिल करना प्रारंभ कर ि | । अंक |
| | दया और उसे एक उच्च-स्तरीय संयुक्त प्रबन्ध समिति का हिस्सा बना दिया। अब रिमता का | =1×3 |
| | र्यालय में समय पर आती थी और उसके निष्पादन में भी | 3 अंक |
| | सुधार होना प्रारंभ हो गया। | =1+1+3 |
| | (अ) रीटा द्वारा निष्पादित प्रबन्ध के कार्य की पहचान कीजिए। | =5 अंक |
| | (ब) प्रवन्ध के उपरोक्त कार्य के उस तत्व का नाम बताइए जिसकी सहायता सं | |
| | रीटा स्मिता के व्यवहार में सुवार कर सकी। | |
| | (स) उपर्युक्त (व) में पहचाने गए तत्व की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख | |

| | कीजिए। | T |
|-------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------|
| उत्तर | (अ) निर्देशन | |
| | (ब) अभिप्रेरणा | |
| | (स) अभिप्रेरण की विशेषताएँ (कोई तीन) | |
| | • यह एक आंतरिक अनुभव है | |
| | यह लक्ष्य आधारित व्यवहार को जन्म देती है। | |
| | यह सकारात्मक अथवा नकारात्मक हो सकती है। | |
| | • यह एक जटिल प्रक्रिया है। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने (ब) दूसरे भाग में गैर वितीय प्रोत्साहन की पहचान तत्व के रू य में की है तो पूरे अंक दिए जाए) | |
| 23 | वैज्ञानिक प्रबन्ध की निम्नलिखित तकनीकों को समझाइए: (अ) विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली; तथा। | |
| | (ब) गति अध्ययन। | 1x3 |
| उत्तर | (अ) विभेदात्मक पारिश्रमिक प्रणाली- | =3 3im + |
| 2757 | विभेदात्मक मजदूरी प्रणाली, वह तकनीक है जो कुशल एवं अकुशल कारीगरों में अंतर करती है। इससे कुशल कर्मचारियों को सम्मानित/ पुरस्कृत किया जाता है। तथा कम कुशल की कुशलता को सुधारने के लिए उन्हें प्रोत्सहित किया जाता है। | 1×3 =3 अंक 3+3 |
| | इस योजना के अंतगति, दो प्रकार की मजदूरी— एक उन कर्मचारियों के लिए जो म ानक उत्पादन करेंगें या उससे अधिक कार्य करेंगें तथा बूसरे वो कर्मचारी जो जो मान क उत्पादन से नीचे कार्य करेंगें के अनुसार मजदूरी दी जाएगी। | =6 अंक |
| | जदाहरण- मानक उत्पादन (प्रतिदिन एक कर्मचारी) = 10 इकाई मजनूरी वर = रूपे 2 प्रति इकाई (उत्पादन < 10 इकाइयाँ) मजवूरी दर = रूपे उ प्रति इकाई (उत्पादन > 10 इकाइयाँ) | |
| | विवरण कर्मचारी (अ) कर्मचारी (ब) | |

| | वास्ताविक उत्पादन | ९ इकाइयाँ | ।। इकाइयाँ | |
|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| | कुल मजदूरी (स्लपमाँ में) | 9×रूपे 2 = रूपे 18 | 11×रूपे 3= रूपे 33 | |
| | उत्पादित इकाइयों में अंतर | = 2 | | |
| | मजबूरी में अंतर = रूपे 15 | | | |
| | | | | |
| | (ब) <u>गति अध्ययन—</u> | | | |
| | यह एक तकनीक है जिसके र के कार्य को करने के लिए मुदाएँ, चत्पाद गुवाएँ, प्रासंगि | ' की जाती है का अध्यय | न किया जाता है। | प्रका |
| | | अों को समाप्त किया ज | ाता है जिससे कार्य को मली ह | गोंति |
| 24 | भारतीय बाज़ार में 'हयाराम' एक प्रा | त्ता है। सद्ध श्रंखला है जो विभि | न प्रकार के उत्साधों का कि | K# |
| | करती है। इसके उत्पादों में विप्स, वि | | | |
| | सम्मिलित है। चूँकि यह गुणवत्ता उत | | | 6 अंक |
| | The state of the s | | | |
| | प्रतियोगियों की तुलना में यह अधिक | | | |
| | उपमोक्ताओं को नियामित रूप से छू | | | |
| | आसान शर्तो पर उधार माल देती है। | इसकी गाँच फुटकर दूव | कानें है। यह विभिन्न | |
| | The state of the second | | | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने | उत्पादों की बिक्री करत | ती है ताकि | |
| | किराना रहोरों के माध्यम से भी अपन | उत्पादों की बिक्री करत | ती है ताकि | KaT . |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए | उत्पादों की बिक्की करत चित मात्रा में तथा उचित | ती है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध द | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ | उत्पादों की बिक्की करत चित मात्रा में तथा उचित | ती है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध द | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए योग करती है। | उत्पादों की बिक्की करत चित मात्रा में तथा उद्मित यह नियमित रूप से वि | ति है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध र भिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए योग कस्ती है। उपरोक्त अनुच्छेद हयाराम द्वारा अपने | उत्पादों की बिक्की करत वित मात्रा में तथा उचित यह नियमित रूप से वि बाज़ार उत्पाद की प्रस्तु | ती है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध र भिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का ति में प्रयुक्त | |
| | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए योग करती है। | उत्पादों की बिक्की करत वित मात्रा में तथा उचित यह नियमित रूप से वि बाज़ार उत्पाद की प्रस्तु | ती है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध र भिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का ति में प्रयुक्त | |
| Jacet | किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उपमोक्ताओं को उचित स्थान पर, उ ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए योग कस्ती है। उपरोक्त अनुच्छेब ह्याराम द्वारा अपने विभिन्न घटकों के संयोजन का दर्णन | उत्पादों की बिक्की करत चित मात्रा में तथा उचित यह नियमित रूप से वि बाज़ार उत्पाद की प्रस्तु करता है। इन घटकों क | ति है ताकि त समय पर उत्पाद उपलब्ध र भिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का इति में प्रयुक्त । पहचानिए एवं | |

इसके उत्पादों में विष्स, विस्कुट, मिठाईयाँ व शरबत सम्मिलित है उत्पाद मिश्र से तात्पर्य विक्रय के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले उत्पाद अथवा सेवा के सभी आयामों का संयोजन से है। इसका संबंध उन सभी निर्णयों से है जो उस उत्पाद अथवा सेवा के रूप आकार, योजना व विकाससे संबंधित है जिसे उपभोक्ता द्वारा उपयोगी पाया जायेगा। इसमें ब्रांडिंग, लेवलिंग व पेकेंजिंग भी सम्मिलित है।

- मृत्यः अतः अपने प्रतियोगियों की तुलना में वह अधिक मृत्य लेती है। इसके अतिरिक्त वह उपभोक्ताओं को नियमित रूप से छुट भी देती है और फुटकर विक्रेताओं को
- आसान शर्ता पर उद्यार माल बेती है।
 मूल्य मिश्र में मूल्य नीति, मूल्य रणनीति, मूल्य परिर्वतन आदि सम्मिटित है।
 इसके अन्तंगत उत्पाद के आधारमूत मूल्य, उसपर दी जाने वाली छूट, मत्ते मुगतान की शर्तो आदि से संबंधित निर्णय शामिल है।
 स्थान/दितरण

स्थान अथवा वस्तुओं का वितरण में निर्दिष्ट उपभोक्ताओं को फर्म के
उत्पादों को उपलब्ध कराने की कियाएँ सम्मिलित है।
इसके अन्तर्गत वह सभी कियाएँ सम्मिलित है जिनके द्वारा उत्पादक से
स्वामित्व का हस्तांतरण उत्पादक से उपभोक्ता को मिलता है।
इसमें वह सब कियाएँ भी सम्मिलित है जिनके द्वारा उत्पाद व सेवाएँ वितरण के
विभिन्न माध्यमों से गुजरते हुए उत्पादक से उपभोक्ता की ओर गतिमान होती है।
प्रवंतन
विक्रय को बढ़ाने के लिए यह नियमित क्रम से विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों
का उपयोग करती हैं।
वस्तु एवं सेवाओं के प्रवंतन में जो क्रियाएँ सम्मिलित है, वे है उत्पाद की

| | उपलब्धता, रंग-रूप, गुण आदि को लक्षित उपभोक्ता के समक्ष रखना तथा उसे इसे इसके क्रय के लिए प्रोत्साहित करना। (यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्भृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा जाए।) | |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| 25 | 'सरह लिमिटेड' एक कम्पनी है जो सूती धागे का उत्पादन कर रही है। पिछले | घटक की प |
| | काफ़ी वर्षा लगातार अच्छे लाभ अजिंत कर रही है। इस वर्ष भी वह पर्याप्त लाभ अजिंत करने | हचान के लि |
| उत्तर | में सफल रही है। कम्पनी के पास पर्याप्त शेकड़ और भविष्य में | ए 1/2 अंक- |
| | विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। यह एक भली-भाँति प्रबन्धित संगठन है तथा गुणवता, र | पंक्ति |
| | ोज़गार के समान अवसर तथा अच्छी पारिश्रमिक पद्धतियों में विश्वास रखती है। इसके बहुत | उद्ध त |
| | से अंशधारक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं। | करने के |
| | कमपनी ने आई.सी.आई.सी.आई. वैंक से रूपे 40 लाख का ऋण लिया है और | लिए ½ |
| | ऋण-त्तमझौतं के अनुसार लामांश भुगतान कुछ प्रतिबन्धों के अधीन है। | अंक + |
| | कम्पनी के बारे में उपर्युक्त परिचर्चा उन विभिन्न घटकों की ओर संकेत करता है जो यह निर्ण | विवरण के ि |
| | य लेते हैं कि कम्पनी द्वारा लागों का कितना भाग प्रतिधारित किया | लए 1/2 |
| | जाए और कितना वितरित किया जाए। | अंक 11/2 |
| | उपरोक्त वर्णन से पंक्तियों उद्धृत करते हुए किन्हीं चार घटकों को पहचानिए | ×4 |
| | एवं समझाइए। | =6 अंक |
| | लाभांश वितरण को प्रभावित करने वाले घटक (कोई चार) | 0 0047 |
| | • उपार्जन का स्थायित्वः | |
| | पिछले काफी वर्षों से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा लाभ अर्जित कर रही है। | |
| | जपार्जन में स्थायित्व लामांश घोषित करने की स्थिति में होती है। | |
| | • रोकड् प्रवाह स्थितिः | |
| | कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड़ है | |
| | कम्पनी द्वारा लाभांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में | |

| | क्या सोनिका जिला फोरम के निर्णय के विरूद्ध अपील कर सकता है? अपने उत्तर के सर्मधन में कारण दीजिए। नहीं सोनिका अपील नहीं कर सकती क्योंकि पीख़ित पक्षकार जिला फोरम के आदेश | |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| त्तर | जोड़ी दी एक महीने बाद सोनिका ने देखा की कान की बातियों की चमक खो रही हैं। उसने कान की बातियों पर लगे चिन्ह की जाँच की और पाया कि उचित हॉलमार्क नह ीं है और दुकानदार ने उसकी माँ के साथ धोखा किया है। अत: उसने जिला फोरम में एक शिकायत दर्ज़ की जिसे जिला फोरम द्वारा रद्द कर दिया गया। जिला फोरम के के निर्णय से वह असंतुष्ट थी तथा बहुत अधिक परेशान थी और दो महीनों के बाद निर्णय लिया कि वह आगे अपील करेगी। | 7 3145 |
| | विषयः व्यावसायिक अध्ययन सोनिका के जन्मदिन पर उसकी माँ ने उसे सोने की कान की बालियों की एक | 1 अंक |
| वंख्या 16/1/3 | अंक - योजना मार्च 2014-2015 अंक योजना (दिल्ली) 66/1/3 | बिन्दू |
| प्रश्न | अपेक्षित उत्तर | मृत्यांकन |
| | प्रयन्थकों द्वारा लाभांश घोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है। • संविदात्मक प्रतिबंध कम्पनी ने आई. थी. बी. आई. से अधीन है। कम्पनी द्वारा लाभाश भुगतान के समय ऋण देने वाली संस्था द्वारा लगाई गई शर्तों के पालन की अपेक्षा की जाती है। | |
| | अंशधारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अंशधाराक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता वेते है। | |
| | पविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कम्पनियाँ कम लाभांश की घोषणा करती है। | |
| | रोकड् होना आवश्यक होता है। • संवृद्धि सुयोगः | |

| | पारित करने के पश्चात् तीस दिन के भीतर अपील कर सकता है। | |
|-------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------|
| 2. उत्तर | 'ऋण की लागत' किस प्रकार एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रभावित करती है? समझाइए। 'ऋण की लागत' एक कम्पनी की पूँजी संरचना के चयन को प्रभावित करती है क्योंकि एक कम्पनी द्वारा नीची ब्याज की दर पर ऋण लेना उसकी कंची दर से ऋण विनियोजन क्षमता को प्रदर्शित करता है। | 1 अंक |
| 3. | 'इंडियन लोजिरिटक्स' के पूरे देश में मुख्य स्थानों पर अपने मंडारगृहों की सुविधाएँ व्यावसायिक फर्म को अपने उपव्ययों को कम करने, प्रभावपूर्णता को बढ़ाने तथा वितरण समय को कम करने में सहायता करती है। अपने उत्तर के समर्थन में कारण देते हुए उल्लेख कीजिए कि 'इंडियन लोजिस्टिक्स' की कार्यशील पूँजी की आवश्यकताएँ अधिक होंगी या कम। कम कार्यशील पूंजी की आवश्यकता होंगी क्योंकि यह एक सेवा उद्योग है जिन्हें प्राय: माल का स्टॉक रखने की आवश्यकता नहीं होती है। | 1/2 अंक पहचान के 1 लए + 1/2 अंक कारण देने के लिए 1/2 + 1/2 = 1 अंक |
| 4. उत्तर | 'नियोजन आधार' भविष्य के विषय में बनाई गई अवधारणाएँ हैं जिनके आधार पर योजनाएं बनाई जाती है। | । अंक |
| इ. | प्रबन्ध किस प्रकार व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है? उत्लेख कीजिए। अभिप्रेरणा तथा नेतृत्व के द्वारा प्रबंध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है जिससे व्यक्तियों/सदस्यों के व्यक्तिगत उद्देश्यों की संतुष्टि की जा सके तथा प्रबंध को लिए व्यि क्तिगत उद्देश्यों का संगठनात्मक उद्देश्यों के साथ मिलान करना होता है। (अन्य कोई उचित परिभाषा) | 1 अंक |

| | नीरज,'ओमिडा लिमिटेड में एक विक्रय प्रतिनिधि है। उसने पिछले एक वर्ष में | वाधा की |
|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| , | विभागीय अधिकारी/प्रबंधक अधिकारों का व्रूर्णयोग कर सकते है तथा अपने आप को स्वतंत्र रूप में स्थापित करने के चक्कर में संगठन के हितों को अनदेखा करते है। (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| | इसमें कार्यों की पुनरावृत्ति होने से लागत मृल्य बद सकता है। | |
| | विभिन्न प्रमागों में कोषों के आबंटन को लेकर <u>अग</u>ड़े हो जाते है। | - 3 3145 |
| उत्तर | एक संगठन के 'विभागात्मक ढाँचे की सीमाएँ - (कोई तीन) | 1+2 = 3 3jm |
| 9 | एक संगठन के 'विभागात्मक ढाँचें' की किन्हीं तीन सीमाओं का उल्लेख कीजिए। | 14.0 |
| वितार | (अन्य कोई उचित अर्थ) | |
| | किये गए ढाँचे से हैं। | |
| 8 | 'ऑपचारिक संगठन' को परिभाषित कीजिए। औपचारिक संगठन – से तात्पर्य किसी विशिष्ट कार्य को पूरा करने के लिए प्रबंधकों द्वारा तैयार | 1 अंक |
| | (अन्य कोई एचित अर्थ) | |
| उत्तर | उद्देश्यों को प्राप्त करने से है। | |
| | प्रबंध में 'प्रभावपूर्णता' का अर्थ सही कार्य को करने क्रियाओं को पूरा करने एवं | 1000000 |
| 7 | प्रबन्ध में 'प्रभावपूर्णता' से क्या अभिप्राय है? | 1 अंक |
| | खपर्युक्त वर्णित प्रबन्ध के कार्य का नाम बताइए। संगठन। | |
| | | |
| | पदों में अधिकार-जत्तरदायित्व का सम्बन्ध स्थापित कर दिया है। यह स्पष्ट है कि कीन किस को रिर्पाट करेगा। | |
| | लिए सभी विभागों के प्रयास समन्वित तथा अन्तर्सम्बन्धित है और विभिन्न कार्य- | |
| उत्तर | दिन 100 बाल्टियों का निर्माण करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के | |
| | एलान्स लिमिटेड प्लास्टिक की बाल्टियाँ बनाने के कार्य में संलग्न है। कम्पनी का उद्देश्य प्रति | ा अंक |

| त्तर | र्नों के नियतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।' केले किन्स के रूप | शीर्षक के ि लए 1/2 अंक |
|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|
| i | 'वित्तीय बाज़ार एक अर्थव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके सीमित साध | 0/ |
| | | =३ अंक |
| | | 1+1+1 |
| | | 2000 |
| | | 2 अंक |
| | | विवरण का। |
| | शारीरिक भाषा तथा हाय-भाव की आमिव्यक्ति की डिकोडिंग। | इसका |
| | तकनीकी विशिष्ट शब्दावली। | अंक + |
| | • अस्पष्ट संकल्पनाएँ। | का 1/2 |
| | • ब्रुटिपूर्ण रूपांतर/अनुवाद | नाम बताने |
| | विभिन्न अथौँ सहित संकेतक। | बाधा का |
| | (ग) इस श्रेणी की अन्य सप्रेषण बाधाएँ— (कोई एक) | + अन्य |
| | अथवा संकेतों में परिवर्तित करते समय आती है। | 1/2 अंक |
| | संबंधित है जो संदेश की एनकोडिंग तथा डिकोडिंग करने की प्रक्रिया में उन्हें शब्दों | करने का |
| वत्तर | (ख) संकेतिक/संकेतीय बाधाएँ – संकेतीय बाधाएँ उन समस्याओं तथा बाधाओं से | उल्लेख |
| | (क) संदेश की अनुपयुक्त अभिव्यक्ति। | श्रेणी का |
| | (स) इसी श्रेणी की एक और राग्प्रेषण बाधा को समझाइए। | बाधा की |
| | (व) इस सम्प्रेषण वाधा को किस श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है, उल्लेख कीजिए। | अंक + |
| | (अ) उपरोक्त वर्णित सम्प्रेषण बाधा को गृहचानिए। | का 1/2 |
| | ो वह चाहता है। इन ग्राहकों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो गई। | नाम बता |
| | गतत राज्यावली का प्रयोग भी करता है जिसके कारण वह वो अर्थ सम्प्रेषित नहीं कर पाता ज | श्रेणी का |
| | ाथ सीदों को अन्तिम रूप देने में असर्मथ रहता है। कभी-कभी यह | बाघा की |
| | अपर्याप्त शब्दावली और आवश्यक शब्दों का सही प्रयोग न करने के कारण वह ग्राहकों के स | 1 अंक |
| | सात नौकरियाँ बदली है। वह एक बहुत ही मेहनती व्यक्ति है लेकिन अपनी | पहचान व |

| | 'वित्तीय बाज़ार एक अधंव्यवस्था में बहुत से महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करके | + |
|------|----------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| | सीमित साधनों के नियतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निमाता है।' ऐसे कार्यों का वर्णन | प्रत्येक |
| | इस प्रकार है-(कोई तीन) | विवरण के |
| | बचतों को गतिशील बनाना तथा उन्हें अधिकाधिक उत्पादक उपयोग में | लिए 1/2 |
| | सरणित करना। | अंग |
| | मूल्य खोज को सुसाध्य/सुगम बनाना। | =1×3 |
| | वित्तिय परिसंपतियों हेतु दवता उपलब्ध कराना। | =3 अंक |
| | लेन देन की लागत को घटाना । | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने उपशेक्त शीर्षक लिखे बिना भी उचित दिवरण | |
| | दिया हो तो उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| 2 | प्रमोद 'अन्नपूर्णा आटा' फॅक्ट्री में एक पर्यवेक्षक था। फॅक्ट्री में प्रतिदिन 200 | पहचान के । |
| | विवंटल आटे का उत्पादन हो रहा था। उसका कार्य यह आश्यस्त करना था कि | लए । अंक |
| | उत्पादन कार्य निर्विध्न रूप से चलता रहे और उसमें किसी प्रकार की कोई वाधा | + |
| | न आए। वह एक अच्छा नेता था जो अपने अधीनस्थों से विचार-विर्मश करने के बाद आदेश | प्रत्येक |
| | देता था और समूह की स्वीकृति से नीतियों को कार्यान्वित करता था। | विन्दु के |
| | प्रमोद द्वारा अपनाई गई नेतृत्व शैली की पहचान कीजिए तथा इसका वर्णन | विवरण के |
| | कीजिए। | लिए। अंक |
| त्तर | लोकतंत्रीय नेतृत्व शैली। | =1×2 |
| | एक लोकतंत्रीय नेता समूह द्वारा लिए गए निर्णयों का अधीनस्थों सम्मान | 2 3igs |
| | करता है। इससे कर्मचारियों में उनकी नौकरी तथा संगठन के प्रति वृष्टिकोण में सकारा | =1+2 |
| | त्मक सुधार होता है तथा उनका मनोबल भी बढ़ता है। | =3 अंक |
| | इस प्रकार की शैली से पारस्परिक फायदे हैं- इसके अधीनस्थों। कर्मचारियोंको टीम का सदस्य | 80000800 |
| | बनने का अक्सर मिलता है। तथा अधिकारियां/नेताओं द्वारा इससे | |
| | अच्छे निर्णय तिये जाते है। | |

| 13 | वितरण माध्यमों के चयन को 'उत्पाद सम्बन्धित कारक' किस प्रकार प्रभावित करते हैं? समझाइए। | शीर्षक के f |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| | | लए १/२ अंक |
| उत्तर | 'उत्पाद सम्बन्धित कारक' वितरण माध्यमां के चयन को प्रभावित करते है | + |
| | (कोई तीन)- | प्रत्येक |
| | ा. उत्पाद की प्रकृति। | विवरण के |
| | 2. सीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुएं। | लिए 1/2 |
| | 3. वस्तु की कीमत । | अंक |
| | 4. उत्पाद की जटिलता। | =1×3 |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने उपरोक्त शीर्षक लिखे बिना भी उचित दिवरण | =3 sias |
| | विया हो तो उसे पूरे अंक दिए जाए) | |
| 14 | 'प्रबन्ध के सिद्धान्तों की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। | 1x4 |
| उत्तर | प्रबंध के सिद्धांतों की विशेषताएँ- कोई बार | = 4 3/45 |
| | प्रबंध के सिद्धांत निर्णय लेने एवं व्यवहार के लिए व्यापक एवं सामान्य मार्गवर्शन होते है। | - 4 oru |
| | प्रबंध के सिद्धांतों का महत्व-(कोई तीन) | |
| | प्रबंध के सिद्धांत सभी प्रकार के संगठनों सभी स्तरों तथा किसी भी समय में प्रयुक्त | |
| | किए जा सकते है। | |
| | सिद्धात, कार्य के लिए <u>मार्गदर्शन का कार्य</u> करते हैं लेकिन ये सभी प्रबंधकीय | |
| | समस्याओं का तैयार शतप्रतिशत समाधान नहीं होते है। | |
| | प्रबंध के सिद्धांतों की उत्पत्ति अवलोकन शोध तथा प्रबंधकों के व्यक्तिगत अनुभव | |
| | द्वारा हुई है। | |
| | प्रबंध के सिद्धांत बेलोच नहीं होते बल्कि लचीले होते हैं तथा परिस्थिति की माँग के | |
| | अनुसार प्रवधक इनमें सुधार कर सकते हैं। | |
| | प्रबंध के सिद्धांतों का लक्ष्य <u>मानवीय व्यवहार को प्रमावित</u> करना होता है। | |
| | प्रबंध के सिद्धांत, कारण एवं परिणाम के बीच संबंध स्थापित करते हैं जिससे उन्हें | 200 |

| | प्रबंध के सिद्धांतों का प्रयोग अनिश्चित होता है अधवा समय विशेष की गैजूदा परिस्थितियों पर निर्भर करता है। (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
|----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------|
| 15 | उपमोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत दिए गए उपमोक्ता के निम्न अधिकारों को समझाइए: (अ) स्थन का अधिकार; तथा (व) उपमोक्ता शिक्षा का अधिकार। (क) चयन का अधिकार— • उपमोक्ता को प्रतियोगी मूल्य पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों में से चयन का अधिकार है। • विपणन कर्ताओं को अलग—अलग गुणक्ता, ब्रांड मूल्य एवं आकार की वस्तुओं को बाज़ार में बिकी हेतु लाना चाहिए। (ख) उपमोक्ता शिक्षा काअधिकार— • उपमोक्ता को ज्ञान प्राप्ति एवं पूरी सूचना प्राप्त करने का अधिकार है। • यदि वस्तु अथवा सेवा आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है तो उसे क्षातिपूर्ति तथा अधिकारों के बारे में ज्ञान होना चाहिए। | 2 अंक + 2 अंक = 4 अंक |
| 6 | 'आपका विद्यालय' पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम—सहगामी व क्रीड़ा सम्बन्धी क्रियाओं के मिश्रण द्वारा विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास में विश्वास रखता है तथा टीम भावना को बढ़ावा देता है। अपने स्थापना दिवस पर विद्यालय को एक स्टेज कार्यक्रम प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम सम्बन्धी विभिन्न पक्षों की योजना बनाने के लिए उन्होंने दस प्रधान बच्चों की एक कमेटी बनाई। उन्होंने यह निर्णय लिया कि सजावट के लिए वे पुन:चक्रिक कागज का प्रयोग करेंगे। उनमें एकता एवं | सिद्धान्त की पहचान के वि लए । अंक + प्रत्येक विशाषेता के |

| | क्योंकि इसमें एक टीम के रूप में कार्य करना होता है एवं व्यक्तिग प्रयत्नों में समान दिशा में स मन्तय की आवश्यकता होती है। | |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------|
| | जनमें एकता एवं समन्वय की भावना थी और सभी सवस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। | |
| | 2. प्रबन्ध एक सामूहिक क्रिया है | |
| | के लिए उपयुक्त है। | |
| | क्योंकि यह किसी भी संगठन (चाहे आर्थिक हो या सामाजिक या फिर राजनैतिक) के प्रकार/स्तर | |
| | उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त को अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। | |
| | 1. प्रबन्ध सर्वव्यापी है। | |
| | (ख) प्रबन्ध की विशेषताएँ-(कोई वो) | |
| उत्तर | (क) प्रबन्ध का सिद्धान्त – सहयोग की भावना | |
| | पहचान कीजिए। | =4 अंक |
| | 'आपका विद्यालय' द्वारा समाज को सम्प्रेषित किए गए किन्हीं दो मूल्यों की | =1+1+2 |
| | अनुब्हेद में प्रकाश डाला गया है। | 2 अंक |
| | (य) प्रबन्ध की उन दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन पर उपरोक्त | =1×2 |
| | पहचानिए। | 1 अंग्रह |
| | (अ) कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रयोग किए गए प्रयन्ध के सिद्धान्त को | के लिए |
| | पहले से ही जस सिद्धान्त का जपयोग कर रहे हैं। | प्रत्येक मूय |
| | को अपने व्यवसाय में अपनाने के लिए कहा। उसके पिताजी ने बताया कि वह | + |
| | सफलता से इतना अधिक प्रेरित हुआ कि उसने अपने पिताजी को उसी सिद्धान्त | 1 अंक |
| | ने प्रवन्ध के विभिन्न सिद्धान्तों में से एक का प्रयोग किया है। वह कार्यक्रम की | 1/2×2 |
| | यह अनुभव किया कि अनजाने में कार्य के नियोजन एवं कार्यान्वयन में उनके दल | /2 |
| | से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। कार्तिक ने, जो प्रधान बच्चों में से एक था, | के लिए |
| | समन्वयं की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पारस्पारिक विश्वास एवं अपनेपन की भावना के कारण कार्यक्रम व्यवस्थित रूप | उल्लेख |

3. प्रबन्ध एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। क्योंकि यह संगटन के विभिन्न लोगों के प्रयत्नों को उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु एक सूत्र में बाधेंता है प्रबन्ध बहुआयामी है कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से नियोजित एवं कार्यान्वित हो गया। उनमें एकता एवं समन्वय की भावना थी और सभी सदस्य एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। क्योंकि इसके अंतर्गत कार्य का प्रबन्ध सम्मिलित है। 5. प्रबन्ध एक अमूर्त शक्ति है पारस्पारिक विश्वास एवं अपनेवन की भावना जो विखाई नहीं पढ़ती लेकिन संगठन के कार्यों के रूप में जिसकी उपस्थिति को अनुमब किया जा सकता है। (यदि किसी परीक्षार्थी ने विशोधताओं को ठीक से पहचान कर उनका विवरण दिया है लेकिन अनुच्छेद से पंक्तियों को उद्धत नहीं किया है तो भी उसे पूरे अंक दिए जाए) (ग) समाज को संप्रेषित किए गए मूल्य-(कोई वो) पर्यावरण के प्रति सजगता। बच्चों का संपूर्ण विकास। टीम के रूप में कार्य। (अन्य कोई उचित मूल्य) समीर युप्ता ने 15 कर्मचारियों के साथ भारतीय ग्रामीण बाज़ार के लिए सस्ते 17 पहचान के ि मोबाइल फोन का उत्पादन करने के लिए 'डोनिया लिमिटेड' नाम से एक लए । अंक

| - | | |
|-------|-----------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| उत्तर | दूरसंचार कम्पनी प्रारंभ की। अपने प्रारम्भिक वर्षों में कम्पनी ने बहुत अच्छा कार्य | + |
| | किया। चूँकि उत्पाद अच्छा था और उसका विपणन भी ठीक प्रकार से हो रहा था, इसलिए इ | शीर्षक के |
| | सके उत्पादों की माँग बढ़ गई। उत्पादन को बढ़ाने के लिए कम्पनी को अतिरिक्त कर्मघारियों | लिए 1/2 |
| | की भर्ती करनी पड़ी। सभीर गुप्ता, जो पहले सारे निर्णय | अंक + |
| | स्वयं ले रहा था, को कुछ चुनिन्दा अधिकारों का अंतरण करना पड़ा। उसे यह | प्रत्येक |
| | विश्वास था कि अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए अधीनस्थ पूर्ण रूप से | के विवरण |
| | सक्षम, समर्थ एवं साधनसम्पन्न है और अपने निर्णयों को प्रभावपूर्ण | के लिए |
| | हंग से लागू करने का उत्तरदायित्व उठा सकते हैं। इसके अच्छे परिणाम मिले और कम्पनी न | 1/2 अंक |
| | केंवल अपना उत्पादन बढ़ाने में कामयाब रही अपितु इसने अपनी | =1×3 |
| | उत्पाद- श्रृंखला में भी विस्तार कर लिया। | 3 अंक |
| | (अ) उस अवधारणा को पहवानिए, जिसका प्रयोग करके समीर गुप्ता अपनी कम | =1+3 |
| | पनी को अधिक ऊँचाइयों तक ले जाने में सक्षम हो गया। | =4 <i>अंक</i> |
| | (व) इस अवधारणा के महत्व कं किन्हीं तीन बिन्दुओं को भी समझाइए। | 4 अंक |
| | (क) विकेन्द्रीकरण। | 2 0140 |
| | (ख) विकेन्द्रीकरण का महत्व- (<i>कोई तीन</i>) | |
| | अधीनस्थों में पहल भावना का विकास। | |
| | मविष्य के लिए प्रबंधकीय प्रतिमा का विकास। | |
| | • शीघ्र निर्णय। | |
| | • शीर्थ प्रबंध को राहत। | |
| | • विकास को सरल बनाता है। | |
| | • श्रेष्ठ नियंत्रण। | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्धृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा | |
| | जाए।) | |
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने आवधारणा को सही नही पहचाना लेकिन महत्व के बिन्दू | |
| | सही दिएं है तो उसे उदित अंक दिए जाए) | |

| | (पलोटेशन कॉस्ट) के खर्चों को पूरा करने के लिए कम्पनी ने मुदा-बाज़ार के प्रलेखों को उपयोग में लाने का निर्णय लिया। | लिए । अंद |
|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|
| | | लिए 1 अंद + कोई |
| | (अ) उपर्युक्त उद्देश्य के लिए कन्पनी मुदा-बाज़ार के जिस प्रलेख का प्रयोग कर सकती है, उसका नाम बताते हुए उसे समझाइए। | अन्य उद्देश्य |
| | (ब) इस प्रलेख के माध्यम से कम्पनी कितनी अवधि के लिए वित्त प्राप्त कर सकती है? | बताने के |
| त्तर | (स) इस प्रलेख का और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा सकता है? (क) वाणिज्यिक (तिजारती) पत्र | लिए 1 अंक |
| 90120 | यह विशाल उधारपात्रता वाली कम्पनियों द्वारा अल्पकालिक बाज़ार दर से कम दर पर.निधि उग ाहने के लिए जारी किया जाने वाला पत्र है। | 1+1+1+1 43ia |
| | यह एक अल्पकालिक, अनारक्षित, परक्राम्य तथा स्थिर अवधि का वचन पत्र है। (ब) इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिन से एक वर्ष है। | |
| | (स) इसका उपयोग मौसमी व कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं के लिए भी किया जाता है। | |
|) | ंव्याम लिमिटेड' के कर्मधारी बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए आयात की गईनई तथा हा ई-तकनीक मशीनों पर काम करने के योग्य नहीं है। इसलिए | 1 अंक + |
| | कर्मचारी पर्यवेक्षक से अतिरिक्त मार्गदर्शन की माँग कर रहे हैं। और कर्मचारियों के बार-बार | 1 × 3 =3 अंक |

| | वेते है जैसा कि आम लोग समझते है। • नियोजन में भारी लागत आती है जो कि धन के रूप में तथा समय के रूप में हो सकत ी है। | |
|-------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|
| | नियोजन परिवर्तनशील वातावरण में प्रभावी नहीं रहता है। क्योंकि नियोजन हर बीज का पूर्वाज्ञान नहीं रख सकता। नियोजन रचनात्मकता को कम करता है क्योंकि कार्यकर्ता उसी तरह सोचना प्रारंभ कर | |
| | तो प्रबंधक इनमें परिवर्तन करने की अवस्था में नहीं होते है। | |
| त्तर | नियोजन की तीमाए-(कोई पाँच) नियोजन वृद्ता उत्पन्न करता है क्योंकि जब एक सुनियोजित योजना तैयारहो जाती है | = ५ अंक |
| 0 | प्रबंध के 'नियोजन' कार्य की किन्हीं पाँच सीमाओं का उल्लेख कीजिए। | 1×5 |
| | (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया जाए) | |
| | प्रशिक्षण कर्मचारियों के संतोष तथा मनोबल को बदाता है। प्रशिक्षण के के किए | |
| | मरीनों को संभाल पाते है। | |
| | प्रशिक्षण द्वारा दुर्घटनाओं से बचाव होता है क्योंकि कर्मचारी कशलतापूर्वक | |
| | कार्य का बेहतर निष्पादन व्यक्ति के अधिक कमाने में सहायक है। | |
| | भी बेहतर बनाता है। | |
| | वह लाम जो कर्मचारियों को पर्यवेक्षक के इस निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं—(कोई तीन) • प्रशिक्षण के कारण कौराल तथा ज्ञान में सुधार व्यक्ति की जीवन वृत्ति को | |
| 2016 | कर्मचारियों का प्रशिक्षण/ प्रकोध्व प्रशिक्षण/ ऑन व जॉब विधि। | |
| उत्तर | निर्णय द्वारा प्राप्त हुए हैं। | |
| | उन तीन लाभों का भी उल्लेख कीजिए जो कर्मचारियों को पर्यवेक्षक के इस | |
| | तन्त्र रूप से कार्य संभालने के योग्य बना सकता है। | |
| | सुझाव दीजिए कि पर्यवेक्षक किस प्रकार कर्मचारियों के कौशल व ज्ञान को बढ़ाकर उन्हें स्व | =4 3fg |
| | बुलाने के कारण पर्यवेक्षक पर बहुत अधिक भार है। | 1+3 अंक |

| | नियोजन समय नष्ट करने वाली प्रक्रिया है क्योंकि कभी—कभी योजनाओं को लागू कर ने के लिए पर्याप्त समय बचता ही नहीं है। नियोजन सफलता का आश्वसन नहीं है जब तक कि प्रत्येक योजना कार्य में बदली ना जाए अथवा उसे मूर्त रूप ना दिया जाए। (यदि परीक्षार्थी ने केवल शीर्षक लिखें है तो प्रत्येक शीर्षक के लिए ½ अंक दिया | |
|----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|
| 21 | जाए) पिछले दस वर्षों से स्मिता 'जोनसन एन्टरप्राइसेज़' में एक सहायक प्रबन्धक के पद पर कार्य | कार्य की |
| | कर रही थी। यह कार्य के प्रति अपने वद्यनबद्धता एवं समर्पण के कारण अपने साथियों के बीच बहुत प्रसिद्ध थी। जब उससे वरिष्ठ प्रबन्धक सेवानिवृत्त हुआ तो उसके सभी साथियों ने यह सोचा कि रिगता की अब पदोन्नति हो जाएगी | पहचान के ि लए । अंक + |
| | । जब इस खाली पद को एक बाहरी ब्यक्ति 'श्रीमती रीटा' द्वारा भर दिया गया तो सभी को आश्चर्य हुआ। इसके कारण स्मिता का उत्साह भंग हो गया और उसका निष्पादन गिरना शुरू हो गया। उसने अपने आपको अक्सर | तत्व की पहचान के ि लए । अंक |
| | अनुपरिचत करना शुरू का दिया और अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी। श्रीमति रीटा, एक अच्छी नेता थी जो अपने अधीनस्थों को केवल आदेश देती थी, अपितु उन्हें मार्गदर्शित एवं अभिप्रेरित भी करती थी। उसने रिमता के व्यवहार की ओर ध | + प्रत्येक |
| | यान दिया और महसूस किया कि उसके निष्पादन में सुधार किया जा सकता है। उसने रिमता को संगठन के निर्णय-सम्बन्धी विषयों में शामिल करना प्रारंभ कर ि | विशेषता के तिए 1 अंक |
| | वया और उसे एक उच्च-स्तरीय संयुक्त प्रबन्ध समिति का हिरसा बना दिया। अब रिमता का र्यालय में समय पर आती थी और उसके निष्पादन में भी सुधार होना प्रारंभ हो गया। | ≡1×3 3 अंक |
| | (अ) शैटा द्वारा निष्पादित प्रबन्ध के कार्य की पहचान कीजिए। (ब) प्रबन्ध के उपरोक्त कार्य के उस तत्व का नाम बताइए जिसकी सहायता सं | =1+1+3 =5 sias |
| (| रीटा स्मिता के व्यवहार में सुधार कर सकी। (स) उपर्युक्त (ब) में पहचाने गए तत्व की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख | |

| | कीजिए। | 1 |
|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| वत्तर | (अ) निर्देशन | |
| | (ब) अभिप्रेरणा | |
| | (स) अभिप्रेरण की विशेषताएँ (कोई तीन) | |
| | यह एक आंतरिक अनुभव है | |
| | यह लक्ष्य आधारित व्यवहार को जन्म देती है। | |
| | यह सकारात्मक अथवा नकारात्मक हो सकती है। | |
| | यह एक जदिल प्रक्रिया है। | |
| | (यवि किसी परीक्षार्थी ने (ब) दूसरे भाग में गैर वितीय प्रोत्साहन की पहचान तत्व के रू प में की है तो पूरे अंक विए जाए) | |
| 2 | एक कम्पनी 'एलईडी बल्ब' का उत्पादन कर रही थी जो बहुत अधिक माँग में थे। | प्रत्येक द |
| त्तर | यह पाया गया कि एक दिन में 300 बल्ब बनाने का लक्ष्य कर्मचारी प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। f | ार्य की |
| | वश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। विजली वले जाने के कारण | पहचान के |
| | तथा कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने | लए १/२ अंद |
| | निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता था। | |
| | मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए | 1/2 ×2 |
| | कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता थी जिसमें | ा अंक |
| | सं 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में कार्य करेंगे तथा 10 | चरण की |
| | प्रत्येक अध्यक्ष के अधीन अधान अधीनस्थोंके रूप में कार्य करेंगे। आवश्यक | यस्यान के f |
| | योग्यताओं एवं कार्य विशिष्टताओं की भी सूची बना ली गई। यह भी निर्णय लिया गया कि | लए 1/2 अंक |
| | संगठन के उत्तरदायी पर्दो पर महिलाओं, पिछड़े तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तथा विशेष | . 12 -13 |
| | योग्यता वाले लोगों को उत्साहित करने के लिए छूट दी जाए। प्रार्थियों की योग्यताओं को उन | 1/2×4 |
| | की कार्य की प्रकृति के साथ मिलान के लिए सभी प्रयास किए गए। | 2 अंक |

| (अ) उपरोक्त वर्णित प्रंवध के कार्यों का पहचानिए। | - |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| | + |
| (य) पहचाने गए प्रत्येक कार्य की प्रक्रिया के उन दो चरणों का उल्लेख कीजिए | प्रत्येक |
| जिनका वर्णन उपरोक्त अनुच्छेद में किया गया है। | मूल्य के |
| (स) ऐसे दो मूर्त्यों की सूची बनाइए जो कमपनी समाज का सम्प्रेषित करना | लिए |
| चाहती है। | 1 अंक |
| (अ) नियुक्तिकरण व नियंत्ररण | =1×2 |
| (ब) नियुक्तिकरण की प्रक्रिया के घरण | 2 अंक |
| मानव शक्ति आवश्यकताओं का आकलन बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए | =1+2+2 |
| कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता | =5 <i>sia</i> |
| थी जिसमें से 8 विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के रूप में कार्य करेंगे | 3 014 |
| मानव शक्ति आवश्यकताओं के आकलन में किस प्रकार के कितने व्यक्तियों की आवश्यकता है, | |
| का आकलन किया जाता है। | |
| नियंत्रण की प्रक्रिया के चरण (कोई वो) | |
| वास्तविक निष्पादन की मानकों से तुलना | |
| विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। विजली चले जाने के कारण तथा | |
| कर्मवारियों की कभी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा रही थी | |
| वास्तायिक निष्पादन की मानकों से तुलना इच्छित व वास्ताविक परिणामों | |
| अंतर को स्पष्ट करेगी। | |
| 2. विचलन विश्लेषण | |
| विश्लेषण पर यह पता चला कि कर्मचारी गलती पर नहीं थे। बिजली चले जाने के | |
| कारण तथा कर्मचारियों की कमी के कारण कमपनी अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पा | |
| रही थी और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की आवश्यकता थी। | |
| वेचलन विश्लेषण अंतर के कारण का पता लगाने में सहायक होते है। | |
| 3. सुघारात्मक कार्यावाही | |
| बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए कम्पनी ने अनुमान लगाया कि लगभग 88 | |

| | अतिरिक्त कर्मचारियों की आवस्यकता थी जिसमें से 8 विभिन्न वि | भागों के अध्यक्षों के रूप | |
|-------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------|------------|
| | म कार्य करेंगे | | |
| | यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्यावाही की जाए। | | |
| | (पंक्ति उद्ध्त करने पर भी पूरे अंक दे) | | |
| | वह मूल्य जो कम्पनी द्वारा समाज में प्रेषित किए गए | | |
| | उत्पादन के लिए पर्यावरण मित्र तरीकों का प्रयोग | | |
| | • नारी सशक्तिकरण | | |
| | समाज के निम्न दर्गी का उत्थान | | |
| 23 | 'सरह लिमिटेड' एक कम्पनी है जो सूती धार्ग का उल्पादन कर र | रही है। पिछले | |
| उत्तर | काफ़ी वर्षों लगातार अच्छे लाम अर्जित कर रही है। इस वर्ष भी व में सफल रही है। कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड और भविष्य में | ह पर्याप्त लाम अर्जित करने | घटक की प |
| | विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध हैं। यह एक भली-माँति प्रबन्धिः | | हवान के लि |
| |)ज़गार के समान अवसर तथा अच्छी पारिश्रमिक पद्धतियों में विश | त संगठन है तथा गुणवत्ता, र | |
| | से अंशधारक हैं जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने क | वास रखती है। इसके बहुत | यंवित |
| | | | उद्धृत |
| | कमपनी ने आई.सी.आई.सी.आई. वंक से रुपे 40 लाख का ऋण | | करने के |
| | ऋण-समझीते के अनुसार लामांश भुगतान कुछ प्रतिबन्धों के अध | | लिए ½ |
| | कम्पनी के बारे में उपर्युक्त परिचर्चा उन विभिन्न घटकों की ओर र | कित करता है जो यह निर्ण | अंक + |
| | य लेते है कि कम्पनी द्वारा लाभों का कितना भाग प्रतिधारित किया | , | विवरण के ि |
| | जाए और कितना वितरित किया जाए। | | लए 1/2 |
| | उपरोक्त वर्णन से पंक्तियाँ उद्धृत करते हुए किन्हीं चार घटकों को एवं समझाइए। | पहचानिए | अंक 1/2 |
| | | 1 | ×4 |
| | लामांश वितरण को प्रमावित करने वाले घटक (कोई चार) • उपार्जन का स्थायित्व | | =6 अंक |
| | The Association Committee of the Committ | - | |
| | पिछले काफी बच्चें से वह लगातार अच्छा लगातार अच्छा ला | | |
| | चपार्जन में स्थायित्व लाभांश घोषित करने की स्थिति में होती | ी है। | |

24

- रोकड् प्रवाह स्थितिः
 कम्पनी के पास पर्याप्त रोकड् है

 कम्पनी द्वारा लामांश घोषित करने के लिए उसके पास पर्याप्त मात्रा में
 रोकड् होना आवश्यक होता है।
- संवृद्धि सुयोगः
 मविष्य में विकास के अच्छे अवसर उपलब्ध अच्छे संवृद्धि सुयोग वाली कन्पनियाँ कम लाभांश की घोषणा करती है।
- अंशवारियों का पूर्वाधिकार (इच्छा) इसके बहुत से अशबाराक है जो अपने निवेश पर नियमित आय प्राप्त करने को प्राथमिकता देते है।
 प्रबन्धकों द्वारा लामांश धोषित करने से पूर्व अंशधारियों की इच्छाओं का सम्मान करना आवश्यक है।
- संविदात्मक प्रतिबंध कम्पनी ने आई. डी. बी. आई. से............ अधीन है।
 कम्पनी द्वारा लामांश भुगतान के समय ऋण देने वाली संस्था द्वारा लगाई
 गई शर्तों के पालन की अपेक्षा की जाती है।

भारतीय बाज़ार में 'हयाराम' एक प्रसिद्ध शृंखला है जो विभिन्न प्रकार के उत्पाओं का विक्रय करती है। इसके उत्पादों में विप्स, बिस्कुट, मिठाइयाँ तथा शरवत सिमालित है। चूँकि यह गुणवत्ता उत्पादों का विक्रय करती है अत: अपने प्रतियोगियों की तुलना में यह अधिक मूल्य लेती है। इसके अतिरिक्त यह उपमोक्ताओं को नियामित रूप से छूट भी देती है और फुटकर विक्रेताओं को आसान शर्तों पर उधार माल वेती है। इसकी पाँच फुटकर दुकानें हैं। यह विभिन्न किराना स्टोरों के माध्यम से भी अपने उत्पादों की विक्री करती है ताकि उपमोक्ताओं को उधित स्थान पर, उधित मात्रा में तथा उचित समय पर उत्पाद उपलब्ध करा ए जा सकें। विक्रय को बढ़ाने के लिए यह नियमित रूप से विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का उप योग करती है।

६ अंक

उपरोक्त अनुच्छोद हयाराम द्वारा अपने बाज़ार उत्पाद की प्रस्तुति में प्रयुक्त

विभिन्न घटकों के संयोजन का वर्णन करता है। इन घटकों का पहचानिए एवं समझाइए।

उत्तर

हयाराम द्वारा बाज़ार उत्पाद की प्रस्तुति में संगोजित घटक निम्न है:

- उत्पाद इसके उत्पादों में विप्स, बिश्कुट, मिखर्ज्यों व शरबत सम्मिलित है उत्पाद मिश्र से तात्पर्य विक्रय के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले उत्पाद अथवा सेवा के सभी आयामों का संयोजन से है। इसका संबंध उन सभी निर्णयों से है जो उस उत्पाद अथवा सेवा के रूप आकार, योजना व विकाससे संबधित है जिसे उपभोक्ता द्वारा उपयोगी पाया जायेगा। इसमें ब्रांडिंग, लेवलिंग व पैकेजिंग भी सम्मिलित है।
- मूल्यः अतः अपने प्रतियोगियों की तुलना में वह अधिक मूल्य लेती है। इसके अतिरिक्त वह उपभोक्ताओं को नियमित रूप से छुट भी वेती है और फुटकर विक्रेताओं को आस ान शर्तों पर उधार माल वेती है।

मूल्य मिश्र में मूल्य नीति, मूल्य रणनीति, मूल्य परिर्वतन आदि सन्निहित है। इसके अर्न्तगत उत्पाद के आधारभूत मूल्य, उसपर दी जाने वाली छूट, भत्ते भुगतान क ी शर्तों आदि से संबंधित निर्णय शामिल है। स्थान/वितरण

इसकी अपनी पाँच फुटकर बुकानें है। वह विभिन्न किराना स्टोरो के करा

या जा सके।

स्थान अथवा वस्तुओं का वितरण में निर्दिष्ट उपमोक्ताओं को फर्म के
उत्पादों को उपलब्ध कराने की क्रियाएँ सम्मिलित है।
इसके अन्तर्गत वह सभी क्रियाएँ सम्मिलित हैं जिनके द्वारा उत्पादक से
स्वामित्व का इस्तांतरण उत्पादक से उपमोक्ता को मिलता है।
इसमें वह सब क्रियाएँ भी सम्मिलित हैं जिनके द्वारा उत्पाद व सेवाएँ वितरण के विभिन्
न माध्यमों से गुजरते हुए उत्पादक से उपमोक्ता की और गतिमान होती है।

| | प्रवंतन विकय को बढ़ाने के लिए यह नियमित रूप से विभिन्न सम्प्रेषण तकनीकों का उपयोग करती हैं। वस्तु एवं सेवाओं के प्रवंतन में जो कियाएँ सम्मिलित है, वे है उत्पाद की उपलब्धता, रंग-रूप, गुण आदि को लक्षित उपमोक्ता के समक्ष रखना तथा उसे इसे इसके क्रय के लिए पोत्साहित करना। | |
|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|
| | (यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न से पंक्तियाँ उद्धृत नहीं की है तो कोई अंक न काटा जाए।) | |
| 25 | वैज्ञानिक प्रबन्ध की निम्नलिखित तकनीकों को समझाइए: (अ) समय अध्ययन; तथा | 1×3 |
| ख्तर | (ब) कार्य का सरलीकरण। | = ३ अंक |
| | (अ) समय अध्ययम- | + |
| | | 1×3 |
| | सनय अध्ययन एक तकनीक है जो भली-भौति परिभाषित कार्य को पूरा करने के ि | = 3 अंक |
| | लए मानळ समय का निर्धारण करता है। | 6 अंक |
| | यह तकनीक कर्मियों की संख्या का निर्धारण, उपयुक्त प्ररेक योजनाओं को तैयार करन | |
| | ा एवं श्रम लागत का निर्धारण करने में सहायक है। | |
| | समय अध्ययन की पद्धति कार्य की मात्रा एवं बारंबारता, परिचालन की समय चक्र | |
| | एवं समय मापन की लागत पर निर्भर करेगी। | |
| | (ब) कार्य को सरलीकरण – | |
| | सरलीकरण का उव्वेश्य व्यर्थ किस्मों आकार एवं आयामों को समाप्त करना होता है। इससे श्रम, मशीन एवं उपकरणों की लागत की बचत होती है। | |
| | | |
| | इसमें मालरहित या कम रखना उपकरणों का संपूर्ण उपयोग एवं आवर्त में वृद्धि सिं गिलत है। | |